दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
वर्ष :-04
अंक:-209
मुरादाबाद
20 November 2024
(Wednesday)
पृष्ठ:-08
मूल्य:- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मुख्यमंत्री योगी बोले - अंत्योदय से सर्वोदय, राष्ट्रीय एकता, सुशासन को समर्पित होगा वर्ष 2025

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अफसरों के साथ चर्चा कर 2025 में होने वाले कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की। इसे लेकर अफसरों को दिशा-निर्देश दिए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में भावी कार्यक्रमों पर चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आगामी वर्ष 2025 अत्यंत महत्वपूर्ण होने जा रहा है। यह वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाया जाना है, तो यह लौहपुरुष सरदार पटेल की 150 वीं जयंती का भी वर्ष है। एक ओर जहां हम संविधान अंगीकार करने का अमृत महोत्सव मनाएंगे, वहीं लोकतंत्र की हत्या आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर लोगों को जागरूक भी किया जाना है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी की 300वीं जयंती भी इसी वर्ष मनाई जाएगी। 2025 का यह वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मशताब्दी वर्ष है तो इसी वर्ष हमें जीरो पॉवर्टी का लक्ष्य भी पूरा करना है। यह पूरा वर्ष अंत्योदय से सर्वोदय, राष्ट्रीय एकता और सुशासन की परिकल्पना को समर्पित होगा। इनके दृष्टिगत पूरे वर्ष आयोजन किये जाएंगे।26 दिसंबर 2024 से प्रारंभ हो रहे %संविधान के अमृत महोत्सव वर्ष% की शुरुआत पर राजधानी लखनऊ में शासन स्तर के साथ-साथ सभी सरकारी संस्थानों, विभागों, कार्यालयों, विद्यालयों, विश्वविद्यालयों में संविधान की प्रस्तावना का वाचन करते हुए संविधान

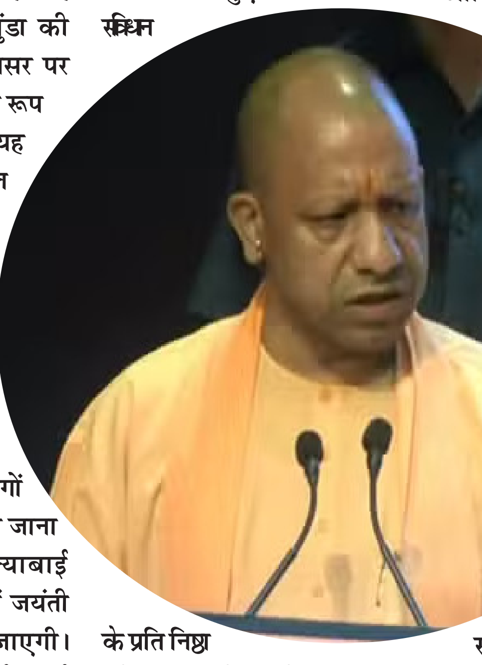

के प्रति निष्ठा की शपथ ली जानी चाहिए। स्कूल और कॉलेजों में निबंध और डिबेट आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं। संसदीय कार्य विभाग इसका नोडल विभाग होगा। पूरे वर्ष होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत कार्ययोजना यथाशीघ्र जारी कर दी जाए। प्रयागराज महाकुम्भ में पूरी दुनिया से लोगों का आगमन होगा। यह दुनिया के लिए भारत को जानने, समझने का सुअवसर है। महाकुम्भ में भारतीय संविधान पराधारित %संविधान गैलरी% तैयार कराई जाए। यहां संविधान सभा के गठन चर्चा-परिचर्चा, संविधान के बनने की पूरी प्रक्रिया को ऑडियो-विजुअल माध्यम से प्रदर्शित किया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार जनजातीय समाज की संस्कृति के संरक्षण और जनजातीय समाज के कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। बलरामपुर के इमिलिया कोडर में जनजातीय संग्रहालय भी स्थापित किया गया है जबकि दो और संग्रहालय भारत सरकार द्वारा स्थापित कराए जा रहे हैं। महाकुम्भ में भगवान बिरसा मुंडा पर और प्रदेश की जनजातीय संस्कृति, सरकार के प्रयासों पर केंद्रित विशेष गैलरी बनाया जाए। अटल जी की जन्मशताब्दी के अवसर पर विश्वविद्यालयों में अटल शोध पीठ तथा सुशासन पीठ की स्थापना कराई जानी चाहिए। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा इसमें आवश्यक कार्यवाही की जाए। इसी प्रकार, सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष में राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करते हुए पूरे वर्ष विविध कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया जाना चाहिए। गृह विभाग इसका नोडल विभाग होगा।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी की 300वीं जयंती को पूरे प्रदेश में बड़े स्तर पर मनाया जाना चाहिए। आक्रांताओं के कालखण्ड में किस प्रकार अहिल्याबाई ने भारतीय सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जीवन दिया, इससे नई पीढ़ी को परिचित कराया जाना चाहिए। अहिल्याबाई जी के व्यक्तित्व-कृतित्व पर स्कूल कॉलेजों में निबन्ध, डिबेट और सेमिनार का आयोजन भी कराया जाए। लोकतंत्र की हत्या आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर लोगों को अलग-अलग कार्यक्रमों के माध्यम से इसकी विभीषिका से नई पीढ़ी को परिचित कराया जाना चाहिए। इस दौरान लोकतंत्र रक्षक सेनानियों के सम्मेलन कराया जाना चाहिए। इस संबंध में सूचना विभाग द्वारा आवश्यक कार्ययोजना तैयार की जाए।

संक्षिप्त समाचार

देश की 30 फीसदी खेती की जमीन पर मिट्टी की गुणवत्ता खराब हो रही, कृषि मंत्री ने जताई चिंता

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भुखमरी को समाप्त करने, जलवायु कार्रवाई तथा भूमि पर जीवन से संबंधित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल करने के लिए मृदा की गुणवत्ता में सुधार करना जरूरी है।%कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देश में मिट्टी की खराब होती उर्वरता पर चिंता व्यक्त की। कृषि मंत्री ने कहा कि इससे देश की 30 प्रतिशत भूमि प्रभावित हो रही है। उन्होंने टिकाऊ खेती के लिए मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने की तत्काल जरूरत पर बल दिया। मिट्टी की गुणवत्ता पर आयोजित वैश्विक सम्मेलन को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भुखमरी को समाप्त करने, जलवायु कार्रवाई तथा भूमि पर जीवन से संबंधित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल करने के लिए मृदा की गुणवत्ता में सुधार करना जरूरी है।

'10 साल में जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित इलाकों में हिंसा 70: कम हुई', अमित शाह बोले

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को अत्यधिक अशांत क्षेत्र माना जाता था। लेकिन आज इन तीनों क्षेत्रों में सुरक्षा की स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि भाजपा सरकार ने जम्मू-कश्मीर, नक्सल प्रभावित 70 फीसदी तक बयान उन्होंने विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय सम्मेलन के दिया। उन्होंने कहा दशक में भारत की प्रणाली पूरी दुनिया वैज्ञानिक और तेज वर्षों में हिंसा में 70 कमी%- शाह ने कश्मीर, पूर्वोत्तर प्रभावित क्षेत्रों को क्षेत्र माना जाता इन तीनों क्षेत्रों में

पिछले दस वर्षों में पूर्वोत्तर और हिस्सों में हिंसा को कम किया है। यह राष्ट्रीय रक्षा आयोजित 50वें पुलिस विज्ञान शुभारंभ के मौके पर कि आने वाले आपराधिक न्याय में सबसे अधिक होगी। %पिछले दस फीसदी तक की कहा, जम्मू- और नक्सल अत्यधिक अशांत था। लेकिन आज सुरक्षा की स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। बीते दस वर्षों के आंकड़ों की तुलना में आंकड़ों को देखें तो हमने हिंसा में 70 फीसदी तक की कमी की है। गृह मंत्री ने कहा, तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से अब किसी भी थाने में प्राथमिकी दर्ज होने पर तीन साल के भीतर सुप्रीम कोर्ट से न्याय मिलेगा। आईपीसी, सीआरपीसी को बदलने के लिए लाए गए नए आपराधिक कानून- इन तीन नए कानूनों भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) को एक जुलाई 2024 को लागू किया गया है। ये कानून ब्रिटिश काल के भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को बदलने के लिए लाए गए। उन्होंने आगे कहा कि इन सुधारों से भारत की न्याय प्रणाली और भी मजबूत और तेज बनेगी, जिससे आम लोगों को समय पर और प्रभावी न्याय मिलेगा।

यूपी उपचुनाव: सपा ने पुलिस-प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप, कहा- बुर्का उठाकर डराती है, पुलिस न जांचें आईकार्ड

यूपी उपचुनाव को लेकर सपा ने पुलिस-प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। चुनाव आयोग को पत्र भेजकर मांग की है कि पुलिस बुर्का उठाकर डराती है। पुलिस आईकार्ड न जांचें। यूपी में नौ सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए प्रचार थम गया है। बुधवार को मतदान होना है। इससे पहले सपा सरकार और प्रशासन हमलावर है। सपा की तरफ से मांग की गई है कि कोई भी पुलिसकर्मी किसी की आईडी न चेक करे। यही नहीं बुर्का पहनकर आने वाली महिलाओं का बुर्का हटाकर जांच न की जाए। बताते चलें कि सपा की तरफ से चुनाव आयोग को एक पत्र लिखा गया है। इसमें सपा ने कई मांगें रखी हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी पुलिस-प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन तो केवल चुनाव में गड़बड़ी कर सकता है। मुझे उम्मीद है कि प्रशासन बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के दिए संविधान को बचाने के लिए अधिकार की रक्षा करने का काम करेगा। सपा सांसद ने छोड़ दी सुरक्षा- बताते चलें कि दूसरी तरफ सपा सांसद लालजी वर्मा ने कटेहरी विधानसभा के उपचुनाव पर प्रशासन पर मतदाताओं को डराने का आरोप लगाया। सांसद ने अपनी सुरक्षा वापस कर दी है। उन्होंने एसपी को पत्र लिखा। कहा कि लाल पर्ची देकर मुस्लिम, कुर्मी, यादव मतदाताओं को डराया जा रहा है। यह स्वस्थ लोकतंत्र के लिए घातक है। कहा कि आपने मुझे अतिरिक्त गनर देने की पेशकश की थी, उसकी जरूरत नहीं। मैं अपना मौजूदा गनर भी छोड़ रहा हूं। समाजवादी पार्टी ने छह पन्नों की एक चिट्ठी लिखकर चुनाव आयोग से कहा है कि उत्तर प्रदेश में मतदान के दिन यानि 20 नवंबर को पुलिस को मतदाताओं यानि वोटरों के आई कार्ड जांचने की अनुमति न दी जाए। समाजवादी पार्टी ने इस चिट्ठी में आरोप लगाया है कि आई कार्ड जांचने के बहाने पुलिस सपा समर्थक मतदाताओं को प्रभावित करने का काम कर रही है। सपा ने लिखा कि लोकसभा चुनाव के दौरान इसी तर्ज पर पुलिस ने मुस्लिम महिला मतदाताओं की पहचान के नाम पर नकाब हटवाए थे। करहल में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की शिकायत भी समाजवादी पार्टी ने की है। ज्ञापन में समाजवादी पार्टी ने पहले बिंदु में लिखा कि प्रदेश में नौ विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव, प्रशासन और पुलिस से जुड़े अधिकारियों को लिखित आदेश जारी किया जाए कि 20 नवंबर को卐मतदान के दिन कोई पुलिसकर्मी किसी भी मतदाता की आईडी (मतदाता पहचान पत्र) की जांच नहीं करेंगे। दूसरे बिंदू में सपा ने लिखा कि मतदान के दिन मतदान अधिकारी को मतदाता की आईडी (मतदाता पहचान पत्र) की जांच करने का अधिकार दिया गया है। तीसरे बिंदु में भारत निर्वाचन आयोग की HAND BOOK FOR CANDIDATE का जिक्र करते हुए लिखा कि मतदान के दिन मतदान केंद्र पर तैनात पुलिसकर्मी मतदाता की आईडी (मतदाता पहचान पत्र) की जांच नहीं करेंगे। सपा ने चौथे बिंदु में लोकसभा चुनाव के दौरान हुई घटना का हवाला देते हुए लिखा है कि लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान के दिन सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगाए गए पुलिस कर्मियों द्वारा सपा समर्थक मतदाताओं विशेषकर मुस्लिम महिला मतदाताओं को पहचान के बहाने, उनका नकाब उठाने की प्रक्रिया से महिलाओं को भयभीत किया गया। मतदान केंद्र से बिना मताधिकार का प्रयोग किए उन लोगों को वापस जाना पड़ा। बड़ी संख्या में सपा समर्थक मतदाता बिना मताधिकार किए वापस लौट गए थे। इससे चुनाव प्रभावित हुआ। मतदेय स्थलों पर मतदान प्रतिशत में गिरावट हुई थी।

DAP की कमी: आप सांसद ने योंगी सरकार को घेरा, बोले- बंटोगे तो कटोगे... करने वाले खाद नहीं दे पा रहे

आप सांसद संजय सिंह ने योगी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि बंटोगे तो कटोगे की राजनीति करने वाले किसानों को खाद तक नहीं बांट पा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में डीएपी (डीअमोनियम फास्फेट) और अन्य कृषि खाद की कमी से राज्य के किसान बेहाल हैं। आम आदमी पार्टी के सांसद और उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने इसे लेकर प्रदेश सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि यह सरकार किसानों के साथ अन्याय कर रही है। संजय सिंह ने कहा कि ये जो बांटने और काटने का उन्माद महाराष्ट्र और झारखंड में फैला रहे थे वो उत्तर प्रदेश में किसानों को खाद तक नहीं बांट पा रहे हैं। मैं महाराष्ट्र, झारखंड के अपने किसान भाइयों को आगाह करना चाहता हूं। %अगर इनको चुनोगे तो

एक-एक बोरी खाद को तरसोगे। संजय सिंह ने कहा उत्तर प्रदेश के किसान पिछले कई महीनों से डीएपी और अन्य आवश्यक खादों की भारी कमी का सामना कर रहे हैं। सरकार की नाकाम नीतियों और गलत प्राथमिकताओं के कारण किसान खेतों में उचित समय पर खाद नहीं प्राप्त कर पा रहे हैं, जिसके कारण उनकी फसलें प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा, %सरकार की यह असफलता और उपेक्षापूर्ण रवैया उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए चिंता का विषय बन चुका है। न केवल खाद की भारी किल्लत है, बल्कि बाजार में उपलब्ध खाद की कीमतें भी बेतहाशा बढ़ी हैं, जिससे किसान अपनी खेती के लिए आवश्यक उर्वरकों का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है और उनकी परेशानियों का समाधान नहीं निकाल पा रही है। उन्होंने मांग की है कि यूपी सरकार जल्द से जल्द किसानों के लिए खाद की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करे और उनके हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए।

संपादकीय Editorial

Bangladesh is an 'Islamic country'

There is a call for genocide of Hindus in Bangladesh. Not only this, the fundamentalist group has demanded a ban on the Sanatan Krishna sect 'ISKCON'. Slogans of 'cut, beat, kill' are reverberating. The head of the interim government, Muhammad Yunus, is undoubtedly a Nobel Prize winning economist, but he is helpless and a mute spectator in front of the killing campaign of the fundamentalists. In many cases, he himself seems to be a staunch fundamentalist. In such a situation, Bangladesh has become a 'killer country'. Meanwhile, the interim Attorney General Muhammad Asaduzzama has proposed that words like 'secularism' and 'socialism' be removed from the Constitution of Bangladesh. The Attorney General argues that 90 percent of the country's population is Muslim, so Bangladesh is a Muslim majority country, there should be no place for the basic principle of secularism in it. It was also argued that instead of secularism, 'unwavering faith in God' should be included in the constitution, because basically Bangladesh is an 'Islamic country'. Now compare it with India. About 80 percent of the population in India is Hindu, while about 15 percent of the population is Muslim. There are also communities like Jain, Buddhist, Parsi, Christian etc. Despite this, the words secularism, socialism, nationalism etc. are mentioned in the Indian constitution. That is, India is a completely secular nation. If India is declared a 'Hindu nation', then there will be panic in the world. Western countries will start giving advice, meetings of Muslim countries will start taking place, so that pressure can be built on India and the human rights of minorities will be pleaded. No country can be communal, this issue will be raised even in the United Nations, but the atrocities being committed on minority Hindus in Bangladesh, whose population is about 8 percent, voices of genocide are loud and now a proposal to change the constitution has come up, the whole world is silent on them. More than 2000 incidents of Hindu atrocities have taken place after the then Prime Minister Sheikh Hasina left the country in August, but there is no such organization, platform or power in the world that can make any meaningful intervention to protect the minorities of Bangladesh. In 1971, East Pakistan took the form of 'Bangladesh'. If the Indian Army had not given armed support to the movement of the then 'Mukti Bahini', then perhaps Bangladesh would not have been formed. Perhaps today's fundamentalist fanatics will not have this fact in mind. They have also forgotten 'Bangla identity', so today there is talk of 'Islamic country'. The Constitution that was passed in 1972 included secularism, socialism, democracy, nationalism as basic principles. Today not only has the mentality of changing the constitutional values ??come to the fore, but there is also a proposal to end the title of 'Father of the Nation' of Bangladesh to Sheikh Mujibur Rahman. The Attorney General says that Sheikh Mujibur's name was forcibly included in the Constitution as the Father of the Nation and challenging it is considered 'sedition'. It is necessary to remove it from the Constitution. The Attorney General proposes that there should be a system like the title of 'Mahapurush' in the country. Some great heroes of the country should be included in this group. In this context, it is feared that great men with ideology against former Prime Minister Sheikh Hasina's party 'Awami League' can be glorified. Bangladesh is a neighboring country of India and the problem of Bangladeshi intruders in our country is very sensitive. The Sangh estimates that there are 2 crore Bangladeshi intruders in the country and this trend has continued. Since now Bangladeshi Hindus are being harassed, illegal intruders can come from that country.

India becomes the guide of G-20, shows new path with ideal behavior

This year, Brazil has included effective and concrete action in the theme for reform of the United Nations Security Council, whose structure has not changed since 1965. It is noteworthy that India, Brazil, Japan and Germany are members of the 'G-4' which are entitled to permanent membership in the Security Council. Sadly, procedural and political obstacles have created obstacles in the way of Security Council reforms. Prime Minister Narendra Modi will be in Rio de Janeiro, Brazil to participate in the 19th G-20 Summit. Last year, India set high standards in hosting this important international institution and demonstrated its leadership and skill at the global level. However, under the rotation policy, the presidency of G-20 is currently with Brazil, which will be with South Africa next year. As far as the aspect of influencing this institution is concerned, India has shown continuous commitment in shaping its nature and direction. Rather than seeing the G-20 as a means of enhancing national prestige, India has seen it as its duty towards world welfare and has contributed to its success with the same dedication and devotion even after leaving the presidency. In this context, Prime Minister Modi's statement that the current presidency, Brazil, has 'carried forward India's legacy' is not an exaggeration. Today, India is a member of the G-20 'troika', which ensures the continuity of the institution. India has fulfilled this responsibility with devotion and has left an indelible mark on many issues. Brazil's first priority during its presidency is the fight against hunger and poverty. This is taking forward the priority given during India's hosting of the UN to accelerate progress on the Sustainable Development Goals. Brazil itself has implemented many projects and programs to tackle problems like poverty and hunger in the less developed countries of the world and it wants the Brazilian blueprint to get global recognition by the G-20. It is noteworthy that India also has a great experience of providing cooperation in the developing world and during the G20 presidency, the Indian 'digital public infrastructure' was recognized. The records made by India in the Modi era in providing the benefits of welfare schemes to the common man standing in the last row through digital means are now being adopted in every corner of the world with the help of G20. Apart from this, India had conceptualized 'women-led development' and made it one of the cornerstones of its G20 presidency. These two Indian initiatives are being taken forward under the G20 presidencies of Brazil and South Africa. The second priority of host Brazil is to enable the transition related to energy change to make the planet greener. The foundation laid by India is also clearly visible in this goal. India kept the ideas of 'green development' and 'climate finance' paramount in the agenda of G20 in 2023 and agreed to more ambitious targets for financial assistance to developed countries. In the Delhi Declaration of the G-20, there was a consensus on the need to increase climate-related investment and finance on a large scale and it was decided to mobilize "financial support of billions to trillions of dollars from all sources globally". However, even today the developed members of the G-20 are reluctant to provide large-scale financial resources to developing countries to deal with climate change. In such a situation, India has played a role in giving prominence to this subject and now Brazil and South Africa are expanding that base. With the return of economic nationalist Donald Trump to power in the US, difficulties are likely to increase on the front of climate change related financial assistance. If this happens, India, Brazil and other leading developing countries will have to find innovative solutions along with Europe, Britain and Japan. Prime Minister Modi gave the mahamantra of 'LIFE' (Lifestyle for Environment) in the G-20 and this concept was prominently praised in the Delhi G-20 summit. Brazil has emphasized social inclusion for the environment, highlighting the central role of tribals and traditional communities. It is clear that action to deal with a great crisis like climate change must be taken at both the individual and societal levels. The positive and simple solutions that India and Brazil have put forward by getting to the bottom of this problem can save humanity from destruction. Brazil's third priority is related to reform in global governance. The G-20, led by India, had taken the initiative to create "better, broader and more effective" international financial institutions and multilateral banks so that the confidence of common citizens in global governance can be maintained at the international level. This year, Brazil has included effective and concrete action in the theme for reform of the United Nations Security Council, whose composition has not changed since 1965. It is worth mentioning that India, Brazil, Japan and Germany are members of the 'G-4' which are entitled to permanent membership in the Security Council. Sadly, procedural and political obstacles have created obstacles in the way of Security Council reforms. India is working shoulder to shoulder with Brazil to resolve the deadlock through G-20. Like last year, this time too the G-20 is focused on geopolitical polarization and conflicts going on in many parts of the world. It is very difficult to build consensus due to wars. Brazil was also our partner in the efforts made by India to achieve a broad consensus in the G-20 summit with great understanding. PM ??Modi played the role of a 'bridge' very well in the disturbed, unstable and uncertain global environment and Brazil and after that South Africa need the same maturity. The new path that India has shown by becoming a ray of hope and its ideal behavior, that key will continue to open the doors of success for the G-20 in the future as well.

New weapon to tackle pollution, new mechanism developed to control emissions

How serious India is in this direction can also be understood from the recent general budget in which the government has started work towards shifting industries from energy efficiency targets to emission targets. Work has also been started on creating a national carbon market in the country under the Energy Conservation (Amendment) Act 2022. At the annual climate conference COP 29 going on in Baku city of Azerbaijan, voting has been done to finalize the concept of global carbon market. Although it came into force from 2022 under the United Nations body, it has been fully agreed upon in COP 29. This first carbon credit market approved by the UN will come into existence from 2025. In this, different countries will reduce greenhouse gas emissions more effectively as well as trade carbon credits with each other. According to the carbon market rules, if any entity or country emits less carbon than the prescribed limit, then it will be given carbon credit, which it can also sell to another entity or country for money. This agreement can be bilateral or multilateral. The purpose of creating this market is to reduce the cost of climate actions and implement them effectively. This will not only establish global harmony, but we will also be able to move towards a green sustainable future. The carbon market will open new avenues of development for those countries and organizations, which are encouraging the development and trading of carbon credits along with technological innovations to reduce emissions and achieve climate goals. In the credit market, the United Nations Framework Convention on Climate Change (UNFCCC) will act as a centralized institution, which will determine the limit of carbon emissions for each country or its various regions. If a country has emitted carbon of its prescribed limit, yet it wants to continue production, then it can buy carbon from any country whose carbon emissions have been less than the prescribed limit. Linking carbon credits to currency will not only motivate all countries to promote reduction in carbon dioxide emissions, but will also help in developing a mechanism through which the emission of gases can be controlled. Mutual trading in the global carbon market will not only increase the closeness among countries, but will also make the global fight against climate change stronger. After the carbon market comes into existence, not only will the condition and direction of climate change change, but a new chapter of global geopolitics will also begin for control over resources, which will prove to be a game changer for geopolitics. Developed countries, especially the European Union and the US, are now ready for carbon credits. China is also ready to strengthen its relations with western countries by controlling its emissions. Energy-intensive country Russia will also try to strike this balance. India has already been expressing its commitments to reduce carbon emissions and establish a carbon market at the national level. Under the Panchamrit Yojana, India is moving towards achieving the target of zero carbon emissions by the year 2070. As part of its Nationally Determined Contribution (NDC), India has committed to reduce emission intensity by 45 percent from 2005 levels by 2030 and to create a carbon sink of 2.5 to 3 billion tonnes of additional forest and tree cover by 2030. How serious India is in this direction can also be understood from the recent Union Budget, in which the government has initiated work towards shifting industries from energy efficiency targets to emission targets. Work has also been started to create a national carbon market in the country under the Energy Conservation (Amendment) Act, 2022. The Carbon Credit and Trading Scheme (CCTS) has been launched in July 2023 to reduce the rising emissions of greenhouse gases. India's voluntary carbon market is worth more than $1.2 billion. India's top carbon credit generating institutions have already earned about $652 million from carbon credits used to offset emissions. Now the Indian government should focus on increasing carbon credits by increasing modernization, use of new technology and innovation in industries. Work should also be done towards increasing carbon credits by planting trees on about 15 lakh hectares of vacant land and conserving forests. International investment can also be attracted by increasing the attraction towards green investment by getting more benefits from green bonds and sustainable finance schemes. Farmers can earn more by doing carbon farming. Energy saving and afforestation can be encouraged by making new rules related to carbon credits in various sectors from energy to real estate, which will not only reduce greenhouse emissions, but carbon credits can also be earned. Carbon credits can also be created by promoting power generation from urban waste. At present, India stands at such a critical juncture, where its climate goals have to be effectively balanced with the carbon market and economic development. For this, carbon market can be strategically designed, integrated with existing schemes and promoted innovation.

कबूतर बाजी को लेकर दो पक्षों में विवाद, जमकर हुई मारपीट व फायरिंग...युवती समेत 8 लोग घायल

मुरादाबाद। मंगलवार की सुबह थाना मुगलपुरा क्षेत्र के तबेला मोहल्ला में कबूतर बाजी को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने। इसके बाद जमकर मारपीट हुई। इस दौरान फायरिंग भी की गई। मारपीट में एक पक्ष से पांच और दूसरे पक्ष से तीन लोग घायल हो गए। विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस में सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ मुगलपुरा थाने में तहरीर दी है।

बताया जा रहा है कि रईस कबूतर उड़ा रहा था। इसी बीच उसका कबूतर पड़ोस में मकबूल उर्फ फूल की छत पर जाकर बैठा। रईस ने मकबूल से अपना कबूतर वापस देने को कहा तो इनकार करने लगा। उसने कबूतर को पकड़ लिया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में गाली-गलौज शुरू हो गई। इसके बार एक पक्ष ने फायरिंग करना शुरू कर दी। दिनदहाड़े सरेआम हुई फायरिंग की इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच हुआ है। फायरिंग में एक पक्ष से रईस (27 साल) पुत्र खैराती, अकरम (45 साल) पुत्र गुड्डू, गुलजार (25 साल), सरदार (45 साल) पुत्र खैराती और तरन्नुम (24 साल) पुत्री खैराती शामिल हैं। दूसरे पक्ष से असलम अली उर्फ चांद मियां (45 साल) पुत्र महबूब अली, मकबूली उर्फ फूल मियां (40 साल) पुत्र महबूब अली भी मारपीट में घायल हुआ है। दोनों पक्षों से हो रही फायरिंग की घटना में एक राहगीर वसीम (23 साल) पुत्र नन्हें भी चपेट में आ गया। उसे भी गोली लगी है। सभी घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। थाना प्रभारी कुलदीप तोमर का कहना है कि कबूतरों को लेकर दो पक्षों में गाली-गलौज के बीच मारपीट और गोली चलने की सूचना प्राप्त हुई थी। मौके पर पहुंचकर मामले को शांत करवाकर सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया है। दोनो पक्षों के द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

कुंदरकी विधानसभा उपचुनाव में आज होगा मतदान, प्रचार के आखिरी दिन प्रत्याशियों ने पूरी ताकत झोंकी

मुरादाबाद। कुंदरकी विधानसभा के उपचुनाव में सोमवार की शाम चुनाव प्रचार का शोर थम गया। अब प्रत्याशी व उनके समर्थक घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क साधकर उन्हें अपने पक्ष में करने में लगे हैं। 20 नवंबर को क्षेत्र के मतदाता 236 मतदान केंद्रों के 436 मतदेय स्थलों (बूथों) पर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। कुंदरकी विधानसभा उपचुनाव में जीत के लिए समाजवादी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, बहुजन समाज पार्टी सहित कुल 12 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इन प्रत्याशियों में सपा के मोहम्मद रिजवान, बसपा के रफतउल्ला उर्फ नेता छिद्दा, भाजपा के प्रत्याशी रामवीर सिंह, आजाद समाज पार्टी के चांद बाबू, आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन के मोहम्मद वारिश, सम्राट मिहिर भोज समाज पार्टी के साजेब, निर्दलीय मोहम्मद उवैश निवासी डोमघर, मोहम्मद उवैश निवासी अहमद नगर, मसरूर, रिजवान अली, रिजवान हुसैन, शौकीन शामिल हैं। यह सभी अपनी जीत पक्की करने के लिए दिन रात एक किए हैं। इनकी जीत के लिए इनके दलों के दिग्गज व समर्थक जनसभा, बैठकों, नुक्कड़ सभा के माध्यम से मतदाताओं को रिझाने में लगे थे। लेकिन, 20 नवंबर को मतदान के लिए सोमवार शाम पांच बजे चुनाव प्रचार थम गया। इसके बाद जनसंपर्क कर रिश्तों व संबंधों की दुहाई देकर उनसे अपने पक्ष में मतदान की अपील करने में प्रत्याशी जुट गए। देर रात तक संपर्क किया जा रहा है। वहीं मतदान के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी अनुज सिंह अन्य अधिकारियों के साथ व्यवस्था बनवाने में लगे हैं। उन्होंने बूथों पर न्यूनतम निश्चित सुविधाओं को बनाए रखने का निर्देश दिया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि हर मतदान केंद्र पर दिव्यांगों के लिए व्हील चेयर आदि की व्यवस्था रहेगी। पेयजल, प्रकाश का प्रबंध भी रहेगा। संवेदनशील व अति संवेदनशील बूथों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध रहेंगे। 23 नवंबर को मंडी समिति में मतगणना कराई जाएगी।

महानगर में बढ़ा वायु प्रदूषण, ईको हर्बल पार्क में एक्यूआई 215 पहुंचा

दिल्ली के वायु प्रदूषण का महानगर में भी असर, कांशीराम नगर में एक्यूआई 198 भाग प्रति मिलियन रहा, चिकित्सक ने दी सलाह बरतने की सलाह

मुरादाबाद। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण का असर महानगर में भी पड़ा। सोमवार को महानगर के कई हिस्सों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पहुंच गया। इसमें दिल्ली रोड से सटे ईको हर्बल पार्क क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक सर्वाधिक 215 भाग प्रति मिलियन पर आरेंज जोन में पहुंच गया। इसके बाद कांशीराम नगर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 198 भाग प्रति मिलियन रिकार्ड किया गया। कोहरे, धूल व वाहनों से निकलते धुंए का असर महानगर के वायु गुणवत्ता पर पड़ा। पिछले कई दिनों से वायु गुणवत्ता सूचकांक ठीक होने के बाद सोमवार को प्रदूषण बढ़ गया। दिल्ली के खतरनाक वायु प्रदूषण स्तर का असर यहां भी दिखा। सोमवार की शाम 7 बजे महानगर के ट्रांसपोर्ट नगर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 142, कांशीराम में सर्वाधिक 198 भाग प्रति मिलियन (पीपीएम) और कांठ रोड स्थित सेवायोजन कार्यालय क्षेत्र में 156 और दिल्ली रोड पर ईको हर्बल पार्क में सर्वाधिक प्रदूषण 215 एक्यूआई रहा। वहीं जिगर कॉलोनी में 115 एक्यूआई रहा। इसके चलते लोगों को परेशानी हुई। नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने बताया कि प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर स्प्रिंकलर से सड़कों और पेड़ों पर छिड़काव कराया जाता है। लोगों से भी अपील है कि वह वायु प्रदूषित करने वाले कार्यों से बचें। वहीं जिला अस्पताल के वरिष्ठ चेस्ट फिजिशियन डॉ. प्रवीण शाह ने बताया कि कोहरे में धूल के कण जमने से वायु प्रदूषण बढ़ जाता है। इससे अस्थमा व सांस के मरीजों को दिक्कत अधिक होती है। इसलिए ऐसे मरीजों को सावधानी बरतनी चाहिए। धूल, धुएं, मिट्टी वाले जगहों पर न जाएं। सांस व दमा के मरीज विशेष सतर्कता बरतें। उन्होंने कहा कि यदि सांस लेने में अधिक दिक्कत हो तो अपने चिकित्सक की सलाह से दवा की खुराक बढ़वा सकते हैं।

तेरे अंदर दम नहीं: तेरी बीवी को साथ रखा कह चिढ़ाया, इसलिए यूसुफ को चाकूओं से गोद मार डाला, इस तरह पकड़ा आरोपी

मुरादाबाद। नागफनी पुलिस ने प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड के मुख्य आरोपी दिलशाद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। फरार चार आरोपियों की तलाश जारी है। उनकी तलाश में पुलिस की तीन टीमें जुटी हैं। प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड में चौथे दिन सोमवार को नागफनी थाने की पुलिस ने मुख्य आरोपी दिलशाद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसे पुलिस ने सोमवार की सुबह डिप्टीगंज से पकड़ा। पुलिस ने इसके पास से चाकू भी बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि यह गिरफ्तारी से बचने के चक्कर में न्यायालय में हाजिर होने की फिराक में था। वह डिप्टीगंज में मुंह पर मास्क लगाकर वकील के आने का इंतजार कर रहा था। उसी दौरान पुलिस टीम को सूचना मिल गई और मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष सुनील कुमार, बंगला गांव चौकी इंचार्ज अंकुल मलिक और दरोगा सलाउद्दीन ने उसे दबोच लिया।नागफनी थानाध्यक्ष ने बताया कि प्रॉपर्टी डीलर यूसुफ उर्फ भोला (25) हत्याकांड में दिलशाद ही मुख्य आरोपी है। प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड में अब तक दोनों सगे भाई इकराम व दिलशाद गिरफ्तार हो चुके हैं। नामजद सरफराज, शाहनवाज और पिता शमशाद के साथ ही कांग्रेस पार्षद शकील फरार हैं।इनकी तलाश में पुलिस की तीन टीमें लगी हैं, लेकिन अभी तक इन फरार चारों आरोपियों का सुराग नहीं लग पाया है। नागफनी के थानाध्यक्ष ने बताया कि उन्होंने जाल बिछाया है, उम्मीद है कि फरार आरोपी भी अगले दो-तीन दिन में गिरफ्तार हो जाएंगे। पुलिस के मुताबिक, फरार आरोपी अपने रिश्तेदारों के यहां भी नहीं मिले हैं। कई रिश्तेदार तो अपने घरों में ताला लगाकर कहीं चले गए हैं, लेकिन फिर भी पुलिस ने सूत्र सक्रिय कर रखे हैं।यूसुफ के कमेंट से परेशान था दिलशाद - गिरफ्तारी के बाद दिलशाद ने पुलिस को बताया है कि प्रॉपर्टी डीलर यूसुफ के कमेंट से वह परेशान हो चुका था। वह उसकी पत्नी को लेकर कमेंट करता था। कहता था कि उसमें दम नहीं है और उसकी बीवी के साथ रह रहा है। यह बात उसने परिवार वालों को भी बताई थी। परिवार वालों ने भी यूसुफ को समझाने की कोशिश की थी, लेकिन वह कुछ समझने को तैयार नहीं था। नाला स्थित कब्रिस्तान में 15 नवंबर को पिता की कब्र पर फातिहा पढ़ते समय प्रॉपर्टी डीलर यूसुफ उर्फ भोला की चाकू से गोद कर हत्या कर दी थी। फिर हत्यारोपी फायरिंग करते हुए भाग गए थे। हत्यारोपियों में से एक दिलशाद की पत्नी नाहिदा ने प्रेम प्रसंग के कारण चार माह पहले पति को तलाक देकर यूसुफ से निकाह कर लिया था। तभी से दोनों पक्षों में रंजिश थी। मृतक प्रॉपर्टी डीलर नागफनी के दौलत बाग मेराज वाली गली का रहने वाला था। इसके पिता मो. रफीक की 21 अक्टूबर को मौत हो गई थी। शुक्रवार को जुमे की नमाज पढ़ने के बाद यूसुफ कब्रिस्तान में पिता की कब्र पर फातिहा पढ़ने गया था। उसी दौरान हमलावरों ने उसे मौत के घाट उतारा था।

रेल मंडल के 20 स्टेशनों की जल्द बदलेगी सूरत, हो रहा कायाकल्प

लंबी ट्रेनों के लिहाज से बढ़ेगी प्लेटफार्म की लंबाई और चौड़ाई

मुरादाबाद। रेल मंडल के 20 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों की सूरत जल्द ही बदल जाएगी। इनका सिर्फ रंग-रूप ही नहीं बल्कि आधुनिकीकरण भी किया जा रहा है। अपग्रेडेशन व मार्डनाइजेशन से इनकी अलग पहचान बनेगी। रेल प्रशासन ने अगले साल मार्च तक इनका कायाकल्प करने का लक्ष्य रखा है। जिसमें अमरोहा, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई, बालामऊ, हापुड़, कोटद्वार, नगीना, धामपुर समेत अन्य स्टेशन शामिल हैं। रेलवे की अमृत भारत योजना के अंतर्गत बेहतर रेल संचालन के साथ यात्रियों की सुविधाओं पर प्रबंधन का फोकस है। ट्रेन से लेकर स्टेशन तक बुनियादी सुविधाओं को अपग्रेड करने के साथ- साथ नई ट्रेनों के जोड़ने पर भी जोर है। इसी क्रम में स्टेशनों का की लंबाई और चौड़ाई बढ़ाई जा रही है। साथ ही उन्हें जरूरत के अनुसार ट्रेन इंफार्मेशन सिस्टम के अलावा यात्रियों के लिए जरूरी शेड, वेटिंग और बेहतर बनाए जाएंगी। जिसके तहत सभी कार्य तेजी से कराए जा रहे डीआरएम राजकुमार सिंह ने अमृत भारत योजना के तहत पुनर्निर्माण नगीना, धामपुर व स्योहारा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान को निर्माण कार्यों को जल्द करने के निर्देश दिए।डीआरएम राजकुमार व लॉबी का निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने रेलवे कालोनी के बिजनौर व नजीबाबाद रेलवे स्टेशन पर रेलवे कालोनी में रह रहे समस्याओं से अवगत कराया। जिस पर डीआरएम ने रेलवे अधिकारियों पार्कों की नियमित साफ सफाई कराएं और रेलवे आवासों को भी ठीक कायाकल्प किया जा रहा है। लंबी ट्रेनों के लिहाज से प्लेटफार्म ऊंचा बनाया किया जा रहा है। रेलवे स्टेशनों पर कोच गाइडेंस, हॉल, आवाजाही को पुल, खानपान, टॉयलेट की सुविधाएं है। निर्माण कार्यों का डीआरएम ने किया निरीक्षण, दिए निर्देश- किए जा रहे रेल मंडल के बिजनौर, नजीबाबाद, मंडी धनौरा, उन्होंने किए जा रहे विकास कार्यों को देखा और अधिकारियों सिंह ने नजीबाबाद रेलवे स्टेशन पर रेलवे कालोनी, रनिंग रूम आवासों की स्थिति को परखा। मंडी धनौरा, चांदपुर सियाऊ, कर्मचारियों व उनके परिवारों ने डीआरएम को अपनी को निर्देश दिए कि रेलवे कालोनी की सड़कें, नालियां व कराएं। निरीक्षण के दौरान डीआरएम के साथ वरिष्ठ मंडल अभियंता चतुर्थ रवि विक्रम सिंह, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता सामान्य सचिन कुमार, वरिष्ठ मंडल अभियंता विद्युत ओपी अंशु कुमार वर्मा, मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता प्रथम तेजस्वी शर्मा शामिल रहे। सबसे पहले संवरेगा बिजनौर रेलवे स्टेशन- रेल मंडल के अंतर्गत बिजनौर रेलवे स्टेशन पहला ऐसा स्टेशन होगा जो अमृत भारत योजना के तहत तैयार हो जाएगा। लगभग 11 करोड़ की लागत से इसका कायाकल्प किया जा रहा है। स्टेशन भवन का कार्य पूरा हो चुका है। स्टेशन पर लिफ्ट, एस्केलेटर का काम पूर्ण कर लिया गया। एक से दूसरे प्लेटफार्म पर आने-जाने के लिए फुट ओवरब्रिज भी बनाया गया है। रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि फरवरी माह तक बिजनौर स्टेशन पूरी तरह से तैयार हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

रामपुर में हत्या: पटवाई में सो रहे युवक को पीट-पीटकर मार डाला, थाने से 200 मीटर दूर खून से लथपथ शव मिला

मुरादाबाद। पटवाई चौराहे पर युवक का खून से लथपथ शव मिला है। उसकी पहचान बरेली निवासी के रूप में हुई। युवक को बेरहमी से पीटकर मारने की आशंका जताई गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। पटवाई चौराहे पर सोमवार रात एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवक का शव खून से लथपथ था और पास ही डंडे पड़े हुए थे। घटना पटवाई थाने से महज 200 मीटर की दूरी पर हुई। जहां रात में चौकीदार की ड्यूटी भी रहती है। युवक की पहचान बरेली जिले के निवासी के रूप में हुई। वह पांच-छह साल से पटवाई क्षेत्र में रहकर नाक-कान छेदने का काम करता था। रात को वह चौराहे पर पकौड़ी और जलेबी की दुकानों के तखत पर ही सो जाया करता था। पकौड़ी दुकान के मालिक ने बताया कि सोमवार रात युवक उनकी दुकान के तखत पर सो गया था।रात 10 बजे दुकान बंद कर मालिक घर चला गया। सुबह दुकान खोलने पर युवक का शव लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। यह वारदात मुख्य चौराहे पर हुई, लेकिन किसी को खबर तक नहीं लगी। माना जा रहा है कि युवक को बेरहमी से पीट-पीटकर मारा गया है। पटवाई थाना प्रभारी अमरनाथ वर्मा ने बताया कि शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है। घटना के पीछे की वजह और आरोपियों का पता लगाया जा रहा है।

शादी समारोह में पहुंचे पुलिसकर्मियों ने की तोड़फोड़, पीड़ित बोले- महिलाओं को पीटा..तीन लाख भी ले गए

मुरादाबाद। रामपुर के धनुपुरा गांव में शादी समारोह के दौरान बीफ बनाने के शक में पहुंची पुलिस पर मारपीट और तोड़फोड़ का आरोप लगा है। परिजनों ने पुलिस पर तीन लाख रुपये छीनने और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार का भी आरोप लगाया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस आरोपी की तलाश में गई थी और मामले की जांच जारी है। शादी की दावत में बीफ के शक में पहुंची पुलिस ने घर में तोड़फोड़ कर दी। विरोध करने पर घरवालों की पिटाई भी कर दी। आरोप है कि पुलिस कर्मियों ने तीन लाख रुपये भी छीन लिए। भोट थाना क्षेत्र के धनुपुरा गांव के मोहम्मद अहमद की बेटी की मंगलवार को बरात आनी है। इसके लिए सोमवार को मेहमानों को खाना खिलाने का काम चल रहा था। परिजनों ने बताया कि पुलिस को शक था कि खाने में बीफ का इस्तेमाल किया गया है। आरोप है कि जांच करने पहुंची पुलिस ने घर में घुसकर तोड़फोड़ की खाना भी फेंक दिया। आरोप है कि भात में दिए रुपये भी पुलिसकर्मी छीनकर ले गए। महिलाओं से मारपीट भी की। घटना के बाद परिवार के लोग दहशत में हैं। भोट थाना प्रभारी अमर सिंह राठौर ने बताया कि पुलिस जानलेवा हमले के एक आरोपी की तलाश में गई थी। पुलिसकर्मियों पर जो आरोप लगे हैं उसकी जांच की जाएगी।शादी में बीफ के शक में पहुंची पुलिस पर तोड़फोड़ का आरोप है। पीड़ित परिवार ने बताया कि कुछ पुलिसकर्मी अचानक घर में घुस आए और मारपीट की। साथ ही तीन लाख रुपये भी छीनकर ले गए। परिजनों ने बताया कि मंगलवार को घर में बेटी की बरात आनी है, सोमवार रात भातियों का खाना चल रहा था। इसी दौरान कई पुलिसकर्मियों ने पहुंचकर मारपीट की और सामान फेंक दिया। भोट थाना क्षेत्र के धनुपुरा गांव के मोहम्मद अहमद की बेटी की शादी थी। मंगलवार को बरात आनी थी। इसके लिए भातियों को खाना खिलाने का काम चल रहा था। परिजनों ने बताया कि पुलिस को शक था कि खाने में गलत मीट का इस्तेमाल किया गया है। जिसके चलते घर में घुसकर तोड़फोड़ की खाना भी फेंक दिया। आरोप है कि भात में दिए रुपये भी पुलिसकर्मी छीनकर ले गए। महिलाओं ने मारपीट भी की। आरोप है कि पुलिस घर में घुस गई और पहले खाने को फेंका और महिलाओं के साथ मारपीट की।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

कार दुर्घटना में दो युवकों की मौके पर मौत, दो गंभीर रूप से घायल,बरेली से नानकमत्ता जा रहे थे पांच युवक

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। देवरनिया थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई साथ ही अन्य तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर राममूर्ति मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में रखे गए हैं । जानकारी के मुताबिक युवक बरेली के सुभाष नगर से कार द्वारा नानकमत्ता जा रहे थे इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई और घटना में दो युवकों की मौके पर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची देवरनिया पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार से दोनों शवों को निकलने के साथ तीन घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया ।पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सुभाष नगर क्षेत्र के पांच युवक कार से उत्तराखंड के नानकमत्ता जा रहे थे । इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई ,जिसमें दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने घायल हरप्रीत सिंह गोलू ,सोनू बजाज, गौरव को अस्पताल में भर्ती कराया है। देवरनिया पुलिस ने बताया कि घटना में दो युवकों की मौत हुई है साथ ही तीन युवक गंभीर रूप से घायल हुए है। सभी घायलों को अस्पताल भेज दिया गया है वही शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतकों में नेकपुर गौटिया निवासी गौरव दत्त 32 वर्षीय और सुभाष नगर निवासी सुनील बजाज 32 वर्षीय बताए जा रहे हैं। घायल में हरप्रीत सिंह गोलू और प्रेम साहनी जो गंभीर रूप से घायल हैं जिन्हें बरेली शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक की हालत अब सही बताई जा रही है।

एक लाख पचासी हजार रूपये के नशीली दवाईयों सहित 2 गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर पुलिस का नशे के कारोबार पर कड़ा प्रहार लगातार जारी, नशे सहित अवैध कारोबार के विरूद्ध पुलिस की है पैनी नजर। एक लाख पचासी हजार रूपये के नशीली दवाईयों सहित 2 गिरफ्तार, थाना रामानुजनगर पुलिस की कार्यवाही। सूरजपुर। नशे का कारोबार कर युवा पीढ़ी को नशे की लत लगाने और नशे के गोरख धंधे में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही कर उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजने के कड़े निर्देश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने जिले के पुलिस अधिकारियों को दिए है। अधिकारियों को मिले कड़े निर्देश पर थाना-चौकी की पुलिस लगातार ऐसे लोगों की सूचनाए एकत्रित कर कार्यवाही करने में लगी हुई है। इसी परिप्रेक्ष्य में दिनांक 18/11/2024 के रात्रि में थाना रामानुजनगर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि सूरजपुर की ओर से एक मोटर सायकल में 3 व्यक्ति नशीली दवाई लेकर बिक्री करने प्रेमनगर की ओर जा रहे है। सूचना पर पुलिस ने ग्राम नारायणपुर में घेराबंदी लगाया इसी दौरान मोटर सायकल में 3 व्यक्ति आते दिखे जिन्हें रोकवाने का इशारा करने पर 1 व्यक्ति मोटर सायकल से कूदकर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। पुलिस टीम ने मोटर सायकल सहित अजय साहू उर्फ जयप्रकाश उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम भुवनेश्वरपुर, थाना रामानुजनगर एवं रहमान ताज पिता समशुद्दीन उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम देवनगर, थाना सूरजपुर को पकड़ा जिसके कब्जे से 318 नग नशीली इंजेक्शन, 22 नग कफ सिरप व 550 नग टेबलेट पाया, जिसकी बाजारू कीमत करीब 1 लाख 85 हजार रूपये है। मामले में नशीली दवाई व मोटर सायकल जप्त कर धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं मामले में फरार 1 आरोपी की पतासाजी सरगर्मी से की जा रही है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी रामानुजनगर राजेन्द्र साहू, एएसआई मनोज पोर्ते, प्रधान आरक्षक सुशील तिवारी, हंसराम कनेडिया, आरक्षक दीपक यादव, महेंद्र सिंह, रूपदेव सिंह, सैनिक पंकज पटेल, रजनीश पटेल व देवचंद पाण्डेय सक्रिय रहे।

गाजियाबाद की घटना को लेकर वकीलों ने बनाई मानव श्रृंखला किया प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। बरेली बार एसोसिएशन के सचिव वीरेंद्र प्रसाद ध्यानी के नेतृत्व में बरेली बार एसोसिएशन के सदस्यों ने गाजियाबाद की घटना के विरोध में जिला अधिकारी गेट के सामने चौराह पर मानव श्रृंखला बनाई और कार्य का बहिष्कार करते हुए आक्रोश व्यक्त किया इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता शौकत अली ने कहा कि हमारी यह मांग है कि जिला जज गाजियाबाद का तुरंत स्थानांतरण किया जाए और उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाए और जो हमारे वकील साथियों पर लाठी चार्ज हुआ है उन पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाए। जिला जज के आदेश पर जिन पुलिसकर्मियों द्वारा वकीलों पर बर्बरतापूर्ण लाठी चार्ज करने वाले पुलिसकर्मियों को तुरंत निलंबित किया जाए। अधिवक्ता प्रदर्शन करते हुए जिला अधिकारी कार्यालय गेट की ओर से पूरे कचहरी परिसर में घूमकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।

हिंदू महासभा ने डॉक्टर सोमेश मेहरोत्रा पर कार्रवाई की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। हिंदू महासभा ने डॉक्टर सोमेश मेहरोत्रा पर कार्रवाई की मांग बरेली। हिंदू महासभा के मंडल अध्यक्ष पंकज पाठक ने डिप्टी सीएमओ लाइक अहमद से मिल कार्रवाई के लिए शिकायत की है। बताया कि प्रतिष्ठित अस्पताल दीपमाला अस्पताल के प्रबंधक डॉक्टर सोमेश मेहरोत्रा द्वारा सीएमओ एवं अन्य नेताओं पर बजट का खाने के आरोप लगाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए उक्त अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है और यह भी कहा है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाए कि उन्होंने जो सीएमओ और अन्य नेताओं पर आरोप लगाए हैं क्या वह सही है अस्पताल द्वारा आयुष्मान कार्ड की सुविधा न दिए जाने वाला मामला गंभीर है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गरीबों को दिया गया यह उपहार है और गरीब लोग इसे अपना इलाज कराते हैं दीपमाला अस्पताल के डॉक्टर यह कह रहे हैं कि 22सौ रुपए में कोई इलाज नहीं होता है मैं छः हजार रुपए का इंजेक्शन क्यों लगाऊं जिला अस्पताल में तो चूरन चटनी दी जाती है और बजट नेता और अधिकारी खा जाते हैं इलाज में लापरवाही के कारण महिला की मौत हो गई इस मामले को लेकर संगठन बहुत गंभीर है इसकी स्पष्ट जांच होनी चाहिए और दोषी डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए कि इस प्रकार का आरोप सामान्य व्यक्ति द्वारा नहीं लगाया गया है बल्कि एक जिम्मेदार डॉक्टर द्वारा लगाया गया है उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल की दवाओं को चूरन चटनी बताया गया है जबकि हजारों लोग रोजाना जिला अस्पताल की दवा लेते हैं जो हमारी सरकार दे रही है ऐसे अस्पतालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए जो आयुष्मान कार्ड का मरीज का फायदा नहीं पहुंचा रहे हैं यह दीपमाला अस्पताल के डॉक्टर सोमेश मेहरोत्रा की कुंठित भावना को प्रदर्शित करता है हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच करने पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

मण्डल स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में हुई संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप कुमार गुप्ता

रिठौरा।मंडल स्तर पर चयनित बाल वैज्ञानिक अब राज्य स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी में करेंगे प्रतिभाग । 10, 11, 12, व 13 दिसंबर 2024 में आयोजित होगी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा प्रायोजित 52 वी राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 2024 के अंतर्गत मण्डल स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन 19 नवंबर 2024 को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बरेली में संपन्न हुआ । कार्यक्रम का शुभारंभ उप शिक्षा निदेशक गजेंद्र कुमार , उप प्रधानाचार्य अनु पाराशरी , जिला विज्ञान समन्वयक देवेंद्र कुमार ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया । प्रतियोगिता का मुख्य विषय सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी था एवं सात उपविषय - भोजन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, यातायात एवं संचार, प्राकृतिक खेती , आपदा प्रबंधन, गणितीय मॉडलिंग एवं कंप्यूटेशनल सोच , कचरा प्रबंधन और संसाधन प्रबंधन थे । यह प्रतियोगिता तीन संवर्गो जूनियर संवर्ग, सीनियर संवर्ग, व अध्यापक संवर्ग में संपन्न हुई । जुनियर संवर्ग मे कक्षा 6 से 10 तक के छात्र, सीनियर संवर्ग में कक्षा 11 व 12 के छात्र एवं अध्यापक संवर्ग में अध्यापकों द्वारा टी0 एल 0एम0 आधारित प्रदर्श - मॉडलों का प्रदर्शन किया गया । सीनियर वर्ग के निर्णायक मण्डल मे उपेंद्र सिंह सिरोही , मोना शर्मा ,सुधीर कुमार, प्रवक्ता सुभाष इंटर कॉलेज आंवला एवं जूनियर वर्ग (स्थिर प्रदर्श) के निर्णायक मण्डल में नीतू यादव शगुन गुप्ता धनंजय सिंह , जुनियर वर्ग क्रियाकारी प्रदर्शके निर्णायक मण्डल में नमिता त्रिपाठी प्रवक्ता राजकीय इंटर कॉलेज,शशि पूनम राव प्रवक्ता राजकीय इंटर कॉलेज वीर बहादुर प्रवक्ता राजकीय इंटर कॉलेज ने प्रदर्शो -मॉडलों को कई मापदंडों पर परख कर अपना निर्णय दिया । मण्डल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी अब 10, 11, 12 व 13 दिसंबर को होने वाली राज्य स्तरीय होने वाली बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में प्रतिभाग करेंगे । सीनियर वर्ग में उप विषय संसाधन प्रबंधन में प्रथम स्थान बरेली की अक्षारिका सक्सेना, उप विषय भोजन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में प्रथम स्थान पीलीभीत के विपिन श्रीवास्तव, उप विषय यातायात एवं संचार में प्रथम स्थान बरेली के राहुल कुमार कश्यप, उप विषय प्राकृतिक खेती में प्रथम स्थान बरेली के उवैश, उप विषय आपदा प्रबंधन में प्रथम स्थान पर पीलीभीत के जयेष्ठ प्रकाश, उप विषय गणितीय मॉडलिंग एवं कंप्यूटेशनल सोच में प्रथम स्थान पर शाहजहांपुर की मनसा दीक्षित , उप विषय कचरा प्रबंधन में प्रथम स्थान बरेली के सागर बाबू राज्य स्तर पर चयनित हुए । जूनियर वर्ग में स्थिर मॉडल में उप विषय भोजन एवं स्वच्छता में प्रथम स्थान शाहजहांपुर की शीजा खान , उप विषय यातायात एवं संचार में प्रथम स्थान बरेली की सोनम, उप विषय प्राकृतिक खेती में प्रथम स्थान पीलीभीत की सुची, उप विषय गणितीय मॉडलिंग एवं कंप्यूटेशनल सोच में प्रथम स्थान शाहजहांपुर की तपस्या कश्यप, उप विषय कचरा प्रबंधन में प्रथम स्थान बरेली की आहना मेहरोत्रा, उप विषय संसाधन प्रबंधन में प्रथम स्थान बरेली के अमन वर्मा राज्य स्तर पर चयनित हुए ।इसी प्रकार जूनियर वर्ग की क्रियाकारी मॉडल में उप विषय प्राकृतिक खेती में प्रथम स्थान बरेली के दैविक जोशी , उप विषय यातायात एवं संचार में प्रथम स्थान बरेली के केशव, उप विषय आपदा प्रबंधन में प्रथम स्थान बरेली के अर्जुन सागर , उप विषय गणितीय मॉडलिंग एवं कंप्यूटेशनल सोच में प्रथम स्थान शाहजहांपुर के सुब्रत तिवारी, उप विषय कचरा प्रबंधन में प्रथम स्थान बरेली की कृतिका गंगवार, उप विषय संसाधन प्रबंधन में प्रथम स्थान बरेली के कृष्णा सक्सेना , उप विषय भोजन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में प्रथम स्थान शाहजहांपुर के समर गंगवार राज्य स्तर पर चयनित हुए ।अध्यापक संवर्ग में टी 0एल0 एम 0आधारित प्रदर्श -मॉडल में उप विषय भोजन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में प्रथम स्थान शाहजहांपुर की कोमल दीक्षित, उप विषय आपदा प्रबंधन में प्रथम स्थान बरेली के कल्पवृक्ष रस्तोगी , उप विषय गणितीय मॉडलिंग एवं कंप्यूटेशनल सोच में प्रथम स्थान बरेली की श्रद्धा मौर्य , उप विषय संसाधन प्रबंधन में प्रथम स्थान पीलीभीत के सर्वेश गंगवार राज्य स्तर पर चयनित हुए । उपरोक्त तीनों संवर्ग के विजेता अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन राज्य स्तर पर करेंगे । उप शिक्षा निदेशक गजेंद्र कुमार ने प्रदर्शनी में आए 150 से अधिक मॉडल में सभी को देखा और बाल वैज्ञानिको से बात की तथा बाल वैज्ञानिक को उनके मांडल के विषय में महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए जिससे बाल वैज्ञानिक अपने मॉडल को और उन्नत कर सकें ।उप शिक्षा निदेशक बाल वैज्ञानिकों के मॉडलों से बहुत प्रभावित दिखे। जिला विज्ञान समन्वयक देवेंद्र कुमार ने मौजूद अधिकारियों , विभिन्न जनपदों से आए शिक्षकों, प्रतिभागियों का आभार प्रकट किया । संचालन श्वेता शर्मा , दिव्या अग्निहोत्री ने किया । रजिस्ट्रेशन का कार्य उर्मिला गंगवार, नम्रता पालीवाल, एकता शर्मा, अर्चना त्रिवेदी , शबनम इदरीसी ने किया तथा कार्यक्रम से जुड़ी समस्त व्यवस्थाओं को रजनी सिंह एवं योगिता सक्सेना ने संभाला तथा दीक्षा शर्मा, नेहा बंसल और प्रिया सक्सेना का विशेष सहयोग रहा ।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अलीगढ़ में जज प्रकरण मे नए सिरे से जांच

क्यूँ न लिखूँ सच -धर्मेंद्र चौहान

अलीगढ़ विशेष न्यायाधीश डॉ अनिल कुमार सिंह के प्रकरण में पुलिस अब नए सिरे से छानवीन में जुट गई है ! पुलिस ने सुजानपुर गेट से सोफा नहर तक 2 किलोमीटर दायरे मे दुकानदारों से घटना के बारे में पूछताछ की और इलाके के सीसीटीवी को चेक किया ! 29 अक्टूबर को बोलेरो सवार बदमाशों ने पीछा किया था- दर्शन डॉक्टर अनिल कुमार सिंह फर्रुखाबाद में तैनात है ! थाना खैर क्षेत्र में 29 अक्टूबर को बोलेरो सवार बदमाशों उनका पीछा किया था ! हसला दिखाकर उनको रोकने की कोशिश की थी ! वह घटना के समय नोएडा स्थित अपने घर जा रहे थे ! इस मामले में 9 नवंबर को विशेष न्यायाधीश ने ईमेल के माध्यम से पश्चिमी यूपी के कुख्यात सुन्दर भाटी और उसके गेंग पर हमला करने का संदेश जाता था ! और कहा था कि उन्होंने नोएडा मे तैनाती के दौरान इस गिरोह के दौरान सदस्यों को सजा सुनाई थी ! इसी बदला लेने के लिए घटना की कोशिश की गई ! बोलेरो का जो नंबर बताया गया है, वह अलीगढ़ में पंजीकृत नहीं मिला है- शुरू में जट्टारी से बोलेरो सवारो के पीछा करने की बात कही गई थी ! वह अलीगढ़ में पंजीकृत नहीं मिला है ! डॉ अनिल सिंह ने इस संबंध में सोफा पुलिस चौकी पर पहुंचकर बयान दिए थे ! और विवेचन को घटनास्थल दिखाया था ! सुजानपुर गेट से बदमाशों ने उनका पीछा शुरू किया था ! पुलिस यह भी मानकर चल रही है ! कि बदमाशों ने भ्रमित करने के लिए कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर रेकी की हो !

पुलिस अधीक्षक यातायात ने चलाया अवैध आटो ,टेम्पो स्टैंड के विरुद्ध अभियान, तीनों जोन के यातायात निरीक्षक साथ में रहे मौजूद

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक यातायात मोहम्मद अकमल के पर्यवेक्षण मे श्यामगंज चौराहा, चौपला चौराहा,सिटी सब्जी मंडी पर तीनो जोन के यातायात निरीक्षक मनीष शर्मा,शैलेन्द्र कुमार सिंह,विपिन राघव के नेतृत्व में यातायात पुलिस की टीमों द्वारा अवैध आटो ,टेम्पो स्टैंड के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही की गई अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक यातायात ने चौपला चौराहे पर मौजूद रहकर अभियान के अन्तर्गत कार्यवाही करायी गई ,कार्यवाही के दौरान नियमो के विरुद्ध यातायात बाधित कर रहे,निर्धारित संख्या से अधिक सवारी बैठा कर चल रहे करीब 16 आटो,टेम्पो, ई -रिक्शा को सीज किया गया और ऐसे ही करीब 40 वाहनों के चालान कियें गये। यातायात निरीक्षकों में मनीष शर्मा,शैलेन्द्र कुमार सिंह,विपिन राघव मौजूद रहे।

काशी और मथुरा के बाद संभल का नया केस पहुंचा कोर्ट, जामा मस्जिद की जगह श्री हरिहर मंदिर होने का दावा

संभल की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए सिविल जज सीनियर डिविजन चंदौसी कोर्ट में दावा दाखिल किया गया है। वादीगण ने विवादित परिसर के सर्वे और वीडियो-फोटोग्राफी की मांग की। कोर्ट ने सर्वे कमिश्नर नियुक्त कर सुनवाई की अगली तारीख 29 नवंबर 2024 तय की है।संभल की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए कोर्ट में दावा डाला गया है। संभल के केला देवी मंदिर के ऋषिराज गिरी समेत पांच वादकारियों ने सिविल जज सीनियर डिविजन संभल स्थित चंदौसी में दावा दाखिल किया है। कोर्ट ने आगामी तारीख 29 नवंबर 2024 दी है। वादी गण विष्णु शंकर जैन एडवोकेट व ऋषिराज गिरि केला देवी मंदिर संभल ने जामा मस्जिद में हरिहर मंदिर होने का दावा किया है। ये दावा सिविल जज सीनियर डिविजन संभल स्थित चंदौसी की अदालत में मंगलवार को उच्चतम न्यायालय में प्रेक्टिस करने वाले हरिशंकर जैन की ओर से उनके पुत्र विष्णु शंकर जैन ने प्रस्तुत किया।जिसमें विवादित परिसर के सर्वे के लिए न्यायालय से वकील कमिश्नर नियुक्त किए जाने की भी मांग की है तथा सर्वे के समय वीडियो और फोटो ग्राफी के लिए भी प्रार्थना पत्र दिया गया है। विष्णु शंकर जैन एडवोकेट ने बताया कि संभल में हरिहर मंदिर था। जिसे तोड़ कर जामा मस्जिद बना दी गई। वो एक पुरातत्व विभाग द्वारा निरक्षित इमारत है। इसके बावजूद हिंदू पूजा रोक दी गई। गलत ढंग से बल पूर्वक वहां नमाज अदा की जाने लगी। इतिहास में ऐसा प्रमाण मिलता है कि सन 1529में बाबर ने यहां हरिहर मंदिर को एक मस्जिद में तब्दील कर दिया था।

ग्राम करकोली भटगांव के दुकान से 64 क्विंटल धान किया गया जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर-_जिले के वास्तविक किसानों को उनके धान की फसल धान उपार्जन केद्र में विक्रय करने में किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसके लिए जिला प्रशासन सूरजपुर काला बजारी, अवैध धान के भण्डारण, परिवहन व विक्रय करने वालो के विरूद्ध सतत् निगरानी रखें हुए है। आज इसी क्रम में भटगांव अंतर्गत ग्राम करकोली में राजस्व, मंडी एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा मनीलाल राजवाड़े के किराना दुकान में दबिश दी गई। जहां निरीक्षण के दौरान दुकान के गोदाम में 160 बोरी धान पाया गया।_जिसके संबंध में पुछे जाने पर दुकान के संचालक द्वारा संतोष जनक प्राप्त नहीं हुआ। निरीक्षण के कार्यवाही आगे बढ़ाने पर पाया गया कि दुकान संचालक के पास धान खरीदी के लिए लायसेंस ही नहीं है। इसके पश्चात् संयुक्त टीम द्वारा 64 क्विंटल धान (160 बोरी) की जप्ती का प्रकरण तैयार कर संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार अग्रिम की कार्यवाही के लिए प्रकरण को प्रस्तावित किया गया है।_ उक्त कार्यवाही में तहसीलदार श्री शिवनारायण राठिया व अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

पुलिस महिलाओ की सुरक्षा और समस्या के लिये सदेव तेयार रहती है- सी ओ

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) आज मंगलवार को नगर के मोहल्ला सुभाष नगर मे स्थित नाथूराम पुरोहित बालिका इंटर कालेज मे मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत छात्राओं व महिलाओं को सरकार द्वार चलाई जा रही योजना एवम् विभिन्न सरकारी हेल्प लाइन नंबरों के बारे में जान कारी दी गई पुलिस क्षेत्राधिकारी अर्चना सिंह ने कहा की सरकार महिलाओ और बालिकाओ के प्रति काफी गम्भीर है और प्रत्येक थानो मे महिला हेल्प डेस्क की स्थापना की है उन्होंने बताया है की सरकार ने महिला हेल्प को लेकर कई नम्बर जारी किये है जिनमे 181वूमेन पावर लाइन नंबर 1090 आपातकालीन नंबर 112 स्वास्थ्य सेवा नंबर 102 एंबुलेंस नंबर 108 6. चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 109 साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 व योजना मुख्यमंत्री हेल्प लाइन नंबर 1076 के संबंध में विस्तृत जान कारी दी गई है इस अवसर पर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय सहित कई स्कूली शिक्षिकाये और बालिकाये मौजूद रही

खेड़ा चौकी प्रभारी संतराम कुशवाहा ने वारण्टी को पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) आज कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय के निर्देशन मे वारण्टी पकड़ो अभियान के तहत खेड़ा पुलिस चौकी के प्रभारी संतराम कुशवाहा हमराही सिपाही धीरज यादव ने मोहल्ला आराजी लेन निवासी इरफान पुत्र मुन्ना कुरेशी को उसके घर से गिरफ्तार किया है बताया गया है की इरफ़ान न्यायालय मे नही जा रहा था और न्यायालय द्वारा उसका एन बी डब्लू का वारंट जारी हुआ था पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है

प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मेलन में जिले के 240 हितग्राही हुए शामिल

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- श्रम मंत्री, छ.ग. शासन, श्रम विभाग के आतिथ्य में प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मेलन, इंद्र स्टेडियम, जिला कोरबा में आयोजित किया गया था। जिसमें सूरजपुर जिले से 240 हितग्राहियों को बस के माध्यम से ले जाया गया। उक्त कार्यक्रम के कल्याण मण्डल के तहत ''मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजनांतर्गत'' 144 हितग्राहियों को 2880000, ''मिनीमाता महतारी जतन योजनांतर्गत'' 64 हितग्राहियों को 1280000, ''मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजनांतर्गत'' 179 हितग्राहियों को 3908391, ''मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजनांतर्गत'' 8 हितग्राहियों को 800000, ''मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजनांतर्गत'' 597 हितग्राहियों को 1185000 रू. कुल 992 हितग्राहियों को राशि 10053391 रू. से डीबीटी के माध्यम से लाभान्वित किया गया।

महावीर इंटर कालेज सामी मे मिशन शक्ति को लेकर कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच
राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) आज मंगलवार को एंटी रोमियो / मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत थाना कैलिया क्षेत्र के अंतर्गत महावीर इंटर कॉलेज सामी व परमहंस इंटर कालेज देवगांव मे बालिकाओं एवं महिला ओ को जागरूक किया गया तथा रानी लक्ष्मी बाई जन्मदिन के उपलक्ष में जानकारी दी गयी

और सरकारी हेल्प लाइन नंबरों के बारे में जानकारी दी गई

एसओ कैलिया इंस्पेक्टर राजीव वेस ने महिला हेल्प लाइन नंबर 181 वूमेन पावर लाइन नंबर 1090 आपातकालीन नंबर 112 स्वास्थ्य सेवा नंबर 102 एंबुलेंस नंबर 108 चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 व योजना मुख्यमंत्री हेल्प लाइन नंबर 1076 के संबंध में विस्तृत जान इस अवसर पर जगन पुरा पुलिस चौकी के प्रभारी अनिल कुमार यादव दरोगा सुमित पांडेय दीवान बलवीर सिंह सहित कई स्कूल ले शिक्षक बालिकाये मौजूद रही

ब्लॉक रामानुजनगर के धान उपार्जन केंद्रों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री एस जयवर्धन द्वारा ब्लॉक रामानुजनगर के धान उपार्जन केंद्रों को निरीक्षण किया गया। जहां उन्होंने रामानुजनगर, चंदरपुर, पोड़ी व उमापुर में स्थापित धान खरीदी उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को धान खरीदी कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने हेतु धान खरीदी केन्द्र में सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित हो इसके लिए सतत मॉनिटरीग के निर्देश दिए। श्री जयवर्धन ने धान खरीदी केंद्र में किसानों से खरीदे गए धान के बारदाने का अवलोकन कर धान के गुणवत्ता को परखा, इसके साथ ही धान की नमी का आर्द्रता माप यंत्र में अवलोकन भी किया। उन्होंने समिति प्रबंधक एवं कर्मचारियों को वास्तविक किसानों के रकबे की धान की खरीदी हेतु जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित किसानों से बातचीत कर उनके द्वारा बेचे गए धान की मात्रा के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को धान खरीदी केन्द्र में धान के रखरखाव हेतु स्टेकिंग की व्यवस्था तथा धान विक्रेताओं के आधार सत्यापन हेतु लगाए गए बायोमेट्रिक मशीन आदि कार्यों के संबंध जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर ने धान खरीदी पंजी एवं ऑनलाईन एंट्री के कार्य का अवलोकन कर किसानों से धान खरीदी की कुल मात्रा एवं उसकी समुचित एंट्री के कार्य का सूक्ष्मता से परीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान रामानुजनगर एसडीएम श्री अजय मोड़ियाम, फूड इंस्पेक्टर श्री संदीप भगत व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे_ इसके साथ ही किसानों के धान खरीदी संबंधी समस्या के समाधान के लिए हेल्पलाइन नंबर 18002333663 जारी किया गया है। किसान इन नम्बरों पर कॉल कर अपनी धान बेचने में आ रही समस्या को दर्ज करा सकते हैं।

जिले में सड़कों का निर्माण और सुधार के लिए किया जा रहा है निरंतर कार्य

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- जिले में परिवहन व्यवस्था को सुचारु रूप से बनाए रखने के लिए नवीन सड़कों का निर्माण और पुरानी सड़कों का सुधार कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा निरंतर किया जा रहा है। आमजनों की सुविधा के लिए जिले में लोक निर्माण विभाग अंतर्गत वर्ष 2024-25 में कुल 18 नग मार्गों जिसकी कुल लबाई 63.42 किमी है, जिसका लोकार्पण किया गया। इन मार्गों के बन जाने से जिला सूरजपुर में रहने वाले ग्रामीणों के आवागमन सुविधा में वृद्धि हुई है साथ ही सूरजपुर में इन बारहमासी पक्की सड़कों के बन जाने से न केवल एक जगह से दूसरे जगह पहुंचना आसान हो गया बल्कि यह निर्माण जिले के आधारभूत विकास में इन सड़कों के निर्माण में सहायक सिद्ध हो रहा है। कार्यपालन अभियंता लोकनिर्माण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार लोक निर्माण विभाग सूरजपुर के अधीन आने वाले मार्गों में वित्तीय वर्ष 2024-25 में बारिश, यातायात दबाव तथा अन्य कारण से क्षतिग्रस्त हुए 21 मार्गों जिनकी कुल लम्बाई 161.45 किमी. है उनके मरम्मत किये जाने का लक्ष्य रखा गया था। इस लक्ष्य के विरूद्ध अब तक कुल 9.40 किमी. में बी.टी. पैच रिपेयर के माध्यम से मरम्मत का कार्य किया गया है। वर्तमान में बी.टी. पैच रिपेयर का कार्य प्रगति पर है एवं इन मरम्मत कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा।

उद्यानिकी फसलों हेतु मौसम आधारित फसल बीमा रबी मौसम अंतिम तिथि 31 दिसम्बर

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- राज्य में उद्यानिकी फसलों में पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना अंतर्गत मौसम रबी वर्ष 2024-25 के क्रियान्वयन हेतु छ.ग. शासन कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। जिसके अंतर्गत जिले में अधिसूचित फसलें टमाटर (बीमित राशि-120000, प्रीमियम राशि-6000), बैगन (बीमित राशि-77000, प्रीमियम राशि-3850), फूलगोभी (बीमित राशि-70000 प्रीमियम राशि-3500), पत्ता गोभी (बीमित राशि-70000, प्रीमियम राशि-3500), प्याज (बीमित राशि-80000, प्रीमियम राशि-4000), एवं आलू (बीमित राशि-120000 प्रीमियम राशि-6000)), है। योजना के क्रियान्वयन के लिए राजस्व निरीक्षक मण्डल को बीमा इकाई बनाया गया है एवं किसानो को बीमा हेतु कास्त के लिए निर्धारित ऋणमान (बीमित राशि) का 5 प्रतिशत प्रीमियम के रूप में देना होगा। इन सभी फसलों के जोखिम अवधि- 1 जनवरी 2025 से 31 मार्च 2025 है। इस अवधि के दौरान किसी भी प्रकार के प्रतिकूल मौसम जैसे अधिक वर्षा, कम वर्षा, बेमौसम वर्षा, अधिक तापमान, कम तापमान, बीमारी अनुकूल मौसम, वायु गति से होने वाली फसलों की क्षति के नुकसान का आकलन स्वचालित मौसम केंद्र द्वारा किया जावेगा। स्थानीय आपदा ओलावृष्टि एवं पाला की स्थिति में कृषक इसकी सूचना सीधे बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर 1800-419-0344 पर या लिखित रुप से 72 घंटों के भीतर बीमा कंपनी संबंधित बैंक, स्थानीय उद्यानिकी विभाग/जिला अधिकारी को बीमित फसल के ब्यौरे, क्षति की मात्रा तथा क्षति का कारण सहित सूचित करेगा। सभी ऋणी एवं अऋणी कृषक जो भी उद्यानिकी फसलें ले रहे है। 31 दिसंबर 2024 तक लोकसेवा केन्द्र, बैंक शाखा, सहकारी समिति कंपनी के प्रतिनिधि के माध्यम से बीमा करा सकते है। ऋणी कृषक अपने सहकारी, ग्रामीण, वाणिज्यिक बैंक की शाखाओं से संपर्क कर नामांकन करा सकतें है, एवं अऋणी कृषक नक्शा, खसरा एवं पासबुक की प्रति एवं क्षेत्र बुवाई प्रमाण पत्र या बुवाई के आशय का स्वघोषणा पत्र जो क्षेत्रीय राजस्व अधिकारी/ग्रा.उ.वी. अधिकारी द्वारा सत्यापित हो जमा कर नामांकन करा सकते है_ जिले में फसल बीमा योजना के क्रियान्वयन हेतु एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को अधिकृत किया गया हैं।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9077776991

संक्षिप्त समाचार

शामली चुलकाना बाबा खाटू दिल्ली बाबा खाटू श्याम दर्शन के लिए 1 दिसंबर को होगी बस रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली श्री लक्ष्मी नारायण सेवा समिति शामली द्वारा 1 दिसंबर को चुलकाना बाबा खाटू श्याम में दिल्ली खाटू श्याम दर्शन के लिए 1 दिसंबर दिन रविवार को हनुमान टीला हनुमान धाम से सैकड़ो की संख्या में भक्त जनों को लेकर होगी बस रवाना समिति के सचिव अयांश संगल का यह कहना है कि बाबा खाटू श्याम की अनुकंपा से यह बस बाबा के दर्शनों के लिए हर महीने बाबा के दर्शन भक्त जनों को करने के लिए जाती है जिसमें हम भी हमारी संस्था भी पुण्य के भागी बनते हैं इसकी जानकारी समिति के सचिव अंयाश संगल न दी है

शामली ठंड के बढ़ते ही कोहरे ने भी अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली ठंड के बढ़ते ही कोहरे ने भी अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया दिन प्रतिदिन अब गोरा और ठंड काफी हद तक बढ़ गई जिसके कारण आम आदमी का घर से निकलना दुर्लभ हो गया 2 दिन से इतनी कड़ाके की ठंड पड़ रही है की जगह-जगह नगर पालिका परिषद द्वारा अलावे के विषय में चर्चा हो रही कि अब कड़ाके की ठंड को देखते हुए अब अलावे लगाई जाए ताकि छोटे बच्चों में बड़े बुजुर्गों को यह चौराहे पर पुलिस प्रशासन यह आम जनता को अलावे लगाने से थोड़ी रात मिल सके बढ़ती ठंड को देखते हुए आप मार्केट में सन्नाटे का असर दिखने लगा है क्योंकि आम पब्लिक ठंड को देखते हुए बाहर नहीं आ रही बाहर लंबे हाईवे पर ढूंढ कोर को देखते हुए आमने-सामने से आ रही वाहनों को आगे का कुछ नहीं दिखाई दे रहा है जिसके कारण पीली लाइट जलाकर धीमी स्पीड से निकलना पड़ रहा है

जिलाधिकारी शामली की अध्यक्षता में सैनिक बन्धु सभा का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। कर्नल अजय कुमार सिंह,(अ0 प्रा0) ज़िला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी शामली ?द्वारा जनपद शामली के सभी सम्मानित भूतपूर्व सैनिकों/ विधवाओं और सैनिक के आश्रितों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 28 नवंबर, 2024 को 11.45 बजे दिन गुरुवार को स्थान कलेक्ट्रेट के सभागार में जिलाधिकारी महोदय शामली की अध्यक्षता में सैनिक बन्धु सभा का आयोजन किया जाना निश्चित हुआ है। अगर किसी भूतपूर्व सैनिकों/ विधवाओं एवं वीरनारियों को कोई समस्या है तो दो कॉपी प्रार्थना पत्र के साथ समय पर आने की कृपा करें।प्रार्थना पत्र की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों द्वारा समाधान किया जाएगा।

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र सूरजपुर के द्वारा 27 नवंबर को प्लेसमेंट कैम्प का किया जाएगा आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर-_जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र सूरजपुर के द्वारा 27 नवंबर_2024 को कार्यालय परिसर में प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया है। उक्त शिविर में निजी क्षेत्र के नियोजक स्वतंत्र माइक्रोफिन प्राइवेट लिमिटेड रायपुर के द्वारा फील्ड ऑफिसर के 50 पद तथा कलेक्शन ऑफिसर के 10 पदों हेतु शैक्षणिक योग्यता 10 वीं उत्तीर्ण होना चाहिए। उक्त पदों के लिए पुरुष आवेदक ही पात्र होंगे। आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इच्छुक आवेदक उक्त दिवस को शिविर में उपस्थित होकर अवसर का लाभ उठा सकते है।

राज दहाड़ मंदिर समिति हुई भंग नई समिति का हुआ गठन

क्यूँ न लिखूँ सच -रमाशंकर तोमर

राजा दहाड़ मंदिर देवेंद्र नगर पन्ना नेशनल हाईवे 39 पन्ना सतना रोड में स्थित राजा दहाड़ मंदिर की समिति जो की केसरी नंदन सेवा समिति के नाम से थी आज वह भंग हो गई जो की पुरानी समिति

द्वारा आज दिनांक तक शासन की गाइडलाइन के अनुसार ना तो कार्रवाई की गई ना ही उचित माध्यमों का इस्तेमाल किया गया बल्कि आपसी बेमानस्त के लिए एक दूसरे को जिम्मेदार ठहराते रहे और मंदिर परिषद का विकास अवरुद्ध हुआ इसलिए आज सर्व समाज एवं कई गांव से आए हुए प्रबुद्ध जनों द्वारा सर्व सम्मति से यह निर्णय लिया गया कि यह कमेटी मंदिर के काम करने योग्य नहीं है इसलिए इस कमेटी को भंग कर नई कमेटी का निर्माण किया जाए जिसमें सभी ग्राम वासियों की सहमति के अनुसार यह कमेटी भांग की गई और शासन के निर्देशानुसार नई कमेटी के लिए नाम निर्देशित कर लिखे गए साथ ही साथ में सभी कमेटी मेंबरों को मंदिर यथार्थ कार्य करने के लिए भगवान श्री हनुमान जी के सामने शपथ भी दिलाई जाएगी कि वह नशा व्याधि से दूर रहेंगे एवं मंदिर के विकास के पूर्ण सहयोगी रहेंगे इस कमेटी निर्माण में मुख्य रूप से सम्मिलित राम लखन शुक्ला, पवन शुक्ला, पप्पू तिवारी, दशरथ यादव, हरभजन सिंह, प्रदीप गुप्ता, शिरीष अग्रवाल, राजू तिवारी, पुण्य केसर द्विवेदी, राजकुमार तिवारी एवं पुरानी कमेटी मेंबर और अन्य ग्रामीण जन के साथ पत्रकार सुधीर अग्रवाल, आशीष जैन, अनुरूप शुक्ला, घनश्याम प्रसाद शर्मा शामिल हुए।

भारत की पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी के जन्म दिवस पर कांग्रेसियों ने दिए श्रद्धांजलि

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली भारत की पूर्व प्रधान मंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी के जन्मदिवस पर कांग्रेस पार्टी की एक श्रद्धांजलि सभा कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा के शामली में

विश्वकर्मा नगर स्थित कैंप कार्यालय पर संपन्न हुई । सभा में कांग्रेस जनों द्वारा इंदिरा गांधी को भावपूर्ण श्रद्धांजली अर्पित की गई । इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपनी नेता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एक दूसरे को मिठाई खिलाई तथा वक्ताओं ने स्व इंदिरा गांधी की संगठन शक्ति से लेकर राजनयिक कौशल तक सभी खूबियों के विषय में विस्तार से चर्चा की । इस अवसर पर ओम प्रकाश शर्मा ने इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में हुए बांग्लादेश युद्ध में भारत की विजय से लेकर देश में पहली बार किए गए परमाणु परीक्षण का उल्लेख करते हुए कहा कहा कि अपने दृढ़ निश्चय और दृढ़ता से लिए गए निर्णयों के कारण ही देश दुनिया में इंदिरा जी को लौह महिला के नाम से जाना जाता है, पुष्पांजलि सभा में वैभव गर्ग,प्रवीण तरार,ज्योति प्रसाद शर्मा,चौधरी सोमदेव तोमर,रविन्द्र आर्य,पंडित सतीश शर्मा,राजेश कश्यप, अमित डिंपल शर्मा,सुरेन्द्र सरोहा,मनोज शर्मा,शेखरपाल,पुनीत शर्मा,सोहिल धीमान,विकास शर्मा,सुरेश पाल सैनी,पंडित श्रीराम शर्मा,विक्रम सिंह,पंडित अजय शर्मा,ठाकुर लाखन सिंह,सचिन राजपूत,कंवरपाल कश्यप और अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे ।

मल्टी लॉजिस्टिक पार्क की जमीन की अधिग्रहित, जामोदी के किसान नाखुश करेंगे इसका विरोध

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप द्विवेदी

पीथमपुर सेक्टर नंबर 1 ग्राम जामोदी में सुबह 9 बजे से मल्टी लॉजिस्टिक पार्क की करीब 62 हैक्टेयर अधिग्रहित जमीन को एमपीआईडीसी को स्वीकृत करने कई विभागों की टीम और 300 पुलिस बल की टीम वहां पहुंची ।एमपीआईडीसी की टीम ने जामोदी ग्राम के अधिग्रहीत जमीन पर 8 जेसीबी और 200 मजदूरों द्वारा समतलन और तार फेंसिंग का कार्य किया । जमीन मालिक और उनके परिजन वहां मौजूद रहकर इसका विरोध किया। पूरे जिले की पुलिस बल ने विरोध करने वाले किसान और परिजन को समझाइए देकर पुलिस वाहन में बैठाकर एमपीआईडीसी का कार्य करने मै सहयोग किया । किसानों का कहना है हम इसका विरोध करेंगे ग्राम जामोदी के किसान अशोक रघुवंशी और विजय चौधरी ने बताया हम 74 किसान इसके विरोध में है हमें हमारी जमीन का मुआवजा उसकी कीमत से बहुत कम दिया जा रहा है इसके लिए हमने हाई कोर्ट में याचिका लगाइए जिसकी सुनवाई 2 दिसंबर को है और हमने सभी अधिकारी से आग्रह किया कि कोट के फैसले के बाद हमारी जमीन अधिग्रहण करें परंतु उन्होंने हमारी नहीं सुनी और हमारी फसल बोई हुई जमीन पर अपने बुलडोजर चला कर उसे समतल कर दिया। कल से हम सभी किसान निश्चित कालीन धरने पर बैठेंगे।

सड़क हादसे में एक की मौत पांच घायल

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती के थाना हरदत नगर गिरन्ट क्षेत्र के ग्राम पंचायत पटपड़गंज मे दो मोटरसाइकिल की आमने-सामने भिड़ंत हो गई वही पीछे से आ रहे लकड़ी लदे ट्रैक्टर ट्राली के नीचे दबकर पड़ोसी जनपद बहराइच के थाना मटेरा के ग्राम पंचायत जोकहां निवासी मुनीर पिता पुत्र रहीस की मौके पर मौत हो गई है वही दूसरा व्यक्ति थाना हरदत नगर गिरन्ट के ग्राम पंचायत चौरीकोटिया निवासी मूलराज पुत्र रिखीराम गंभीर रूप से घायल हो गए है वही मौके पर पहुंची हरदत्त नगर गिरंट थाना कि पुलिस ने घायल को प्राइवेट वाहन के जरिए हॉस्पिटल भिजवाया है वही एक महिला सहित एक बच्चे को भी हल्की-फुल्की छोटे आई है जिन्हें भी अस्पताल भिजवाया गया है और मृतक व्यक्ति के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है वहीं पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गयी है।

10 लीटर अवैध देवी शराब व नाजायज चाकू के साथ 02 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती ।पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने और वांछित/

वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के निर्देशों के क्रम में निम्न कार्यवाही की गई-थाना मल्हीपुर पुलिस ने अभियुक्त बउरे उर्फ रविंद्र कुमार पुत्र दुख्खीराम निवासी परसा डेहरिया थाना मल्हीपुर जनपद श्रावस्ती को 01 अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार कर थाना मल्हीपुर पर 4/25 आर्म्स एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया गया। थाना को0 भिनगा पुलिस ने अभियुक्त हंशराज पुत्र जमुना निवासी लोनियनपुरवा लालपुर महरी थाना को0 भिनगा जनपद श्रावस्ती को 10 लीटर अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर थाना को0 भिनगा पर 60 आबकारी अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया।

मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश से अवैध रूप से धान सूरजपुर जिले के चांदनी बिहार पुर क्षेत्र में धड़ल्ले के साथ आ रहा है

क्यूँ न लिखूँ सच

मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के रास्ते मकरादुवारी,,वही नवाटोला सटा सपहा रास्ते,,उत्तर प्रदेश से होते हुए बलरामपुर चोपटा रेड नदी के रास्ते के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के गांव में अवैध रूप से धान आ रहे हैं सूरजपुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र चांदनी बिहारपुर से छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश किस सीमा से भारी मात्रा में सूरजपुर जिले में अवधि रूप से धान आ रहा है। खरीफ विपणन वर्ष 24-25 के तहत राज्य सरकार द्वारा 14 नवम्बर से धान खरीदी प्रारंभ कर दी गई है। इसी के साथ ही शासन द्वारा अवैध रूप से धान का परिवहन, भंडारण और विक्रय करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके बाद भी मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले मकरा द्वावारी के रास्ते बिहार पुर में आ रहा है वहीं दूसरे ओर उत्तर प्रदेश से बलरामपुर के रास्ते चौपाता रेड़ नदी होते हुए चांदनी बिहारपुरक्षेत्र में आ रहा है ओर नवाटोला से सटे सपहा के रास्ते भी परिवहन हो रहा है

रोजाना भारी पैमाने पर इस पर किसी तरह के परिवहन पर कोई कार्यवाही नहीं किया जा रहा है हर वर्ष सूरजपुर जिले के दूर क्षेत्र सीमावर्ती क्षेत्र होने से धान खरीदी शुरू होते ही चेक पोस्ट लगाकर चेकिंग अभियान चलाया जाता है जहां भारी पैमाने पर मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश की ओर से आने वाले अवधि रूप से धान पर प्रतिबंध लग जाता है लेकिन ईश वर्ष किसी तरह का चेक पोस्ट बैरियर परिवहन पर प्रतिबंध नहीं लगा है

पानी टंकी कि मोटर काफी दिन से जल जाने के कारण स्वछ पेय जल नही मिल रहा

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती विकास खण्ड जमुनहा में ब्लाक मुख्यालय बगल में बना

पानी टंकी का मोटर जल कर खराब काफी दिन पूर्व होगया है जो ग्रमीणो ने उच्च अधिकारियों से शिकायत करने के बाद अभी तक मोटर नहीं बन पया है कस्बा के निवासी बिनय कुमार गुप्ता, सन्तोष कुमार गुप्ता ,सोनू गुप्ता, राधे गुप्ता,प्रमोद गुप्ता, आदि कस्बा निवासियों ने जिलाधिकारी श्रावस्ती से पानी टंकी का मोटर बनवायें जाने की मांग किया है जिससे स्वछ पेय जल लोगों को मिल सके । तथा गांव के लोग छोटे नलों का पानी पीने के लिये मजबूर हैं।

यातायात माह के तहत जागरूकता अभियान -सुरक्षित यातायात

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद कुमार यादव

श्रावस्ती ।यातायात माह 2024 के क्रम में पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती, घनश्याम चौरसिया के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव व क्षेत्राधिकारी यातायात आलोक कुमार सिंह के निकट पर्यवेक्षण में व प्रभारी यातायात मो0 शमीम द्वारा

थाना इकौना क्षेत्रान्तर्गत सीता द्वार मंदिर पर लगने वाले प्रसिद्ध मेला में यातायात केंद्र बनाया गया। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं व आम जनमानस को रोक कर यातायात नियमों के प्रति जागरुक किया गया। जागरुकता कार्यक्रम के दौरान पम्पलेट का वितरण किया गया। जागरुकता कार्यक्रम में जनमानस को मादक पदार्थो का सेवन करके वाहन न चलाने, बिना हेलमेट दो पहिया व बिना सीट बेल्ट चार पहिया वाहन न चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात न करने तथा तेज स्पीड से वाहन न चलाने, आदि यातायात नियमों के प्रति जागरुक किया गया ।साथ ही प्रभारी द्वारा गाडियो पर 卐पहले हेलमेट बाद मे चाभी卐 के स्टीकर लगाये गये ।श्रावस्ती पुलिस सभी नागरिकों से अपील करती है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित यात्रा को प्राथमिकता दें। यह पहल जनपद में दुर्घटना मुक्त समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संक्षिप्त समाचार

सच को आंच नहीं। मैं कानून को मानते हुए सच्चाई के साथ नगर की सेवा करते रहूंगा: अरविन्द संगल

क्यूँ न लिखूँ सच

शामली। मुझे आप सभी को अवगत कराना मेरा परम कर्तव्य। मेरे प्रिय मित्रों, नमस्कार। हमने आपको दस सितंबर ही में उपरोक्त व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से यह अवगत कराया था कि षड्यंत्रकारी लोग हमारे खिलाफ फैब्रिकेटेड वीडियो बनाकर हमारे चरित्र को ठेस पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। क्योंकि नगर पालिका से संबंधित शिकायतों में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, अब ये लोग चरित्र हनन पर उतर आए हैं।हमारे द्वारा पूर्व में व्यक्त किया गया संदेह अब सच साबित हो रहा है। कुछ फैब्रिकेटेड वीडियो/संदेश चैनलों और अखबारों के माध्यम से आप तक पहुंचाए जा रहे हैं। लेकिन सच्चाई की हमेशा जीत होती है और बुराई हार जाती है। मैं मां बगलामुखी मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा में व्यस्त था, और इन्होंने इस बात का फायदा उठाकर, आपको भ्रमित करने का प्रयास किया है। इस संबंध में जो भी कार्यवाही होगी में उसे अवश्य ही करूंगा। निश्चित ही इस संबंध में जो भी आवश्यक कार्यवाही होगी, मैं उसे अवश्य करूंगा। निश्चित ही मैं पूर्व की तरह प्रतिदिन नगर की सेवा में समर्पित रहूंगा। इसी क्रम में, आज भी हमने चार वार्डों की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया और सभी वार्डों के 142 कार्यों के टेंडर करने का निर्देश दिया, धन्यवाद जी ।

यूपी बोर्ड के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं की तारीख घोषित, 54 लाख छात्र-छात्राएं होंगे शामिल

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने सोमवार को हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं की तारीख घोषित कर दी है। इस साल फरवरी-मार्च में होने वाली परीक्षा में कुल 54 लाख छात्र शामिल होंगे। बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने बताया कि हाईस्कूल ए?वं इंटरमीडिएट की परीक्षा एक साथ 24 फरवरी से शुरू होकर 12 मार्च को संपन्न होगी। परीक्षा में 5438597 छात्र-छात्राएं सम्मिलित होंगे।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एन.सी.आर. में स्थित जनपद के आसपास प्रदूषण के चलते कक्षा-01 से कक्षा-12 तक सभी शिक्षण संस्थाओं को बंद रखने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एन.सी.आर.) में स्थित जनपद मुजफ्फरनगर व आसपास के प्रदूषण के बढ़ते स्तर एवं सी.ए.क्यू.एम. द्वारा GRAP ·e Stage-IV लागू किये जाने के फलस्वरूप तथा उक्त विषय में मा0 सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्गत निर्देशों के प्रकाश में जनपद मुजफ्फरनगर के छात्र-छात्राओं य सम्बन्धित की वायु प्रदूषण से सुरक्षा के दृष्टिगत् कक्षा-01 से कक्षा-12 तक संचालित सभी शिक्षण संस्थाओं को अग्रिम आदेशों तक शिक्षण कार्य हेतु तत्काल प्रभाव से बन्द किया जाता है। विद्यालय यदि चाहें तो इस अवधि में कक्षाओं का संचालन ऑनलाइन मोड में कर सकेंगे। शिक्षण संस्थाओं के समस्त प्रधानाचार्य, शिक्षक व अन्य शिक्षणेत्तर कार्मिक शैक्षणिक संस्थाओं की स्थानीय आवश्यकताओं व ऑनलाइन कक्षा संचालन के हित में अपने दायित्वों का यथोचित निर्वहन करते रहेंगे।

स्वच्छ भारत मिशन ड्राइंग कमीटिशन के अन्तर्गत छात्रा माही को सम्मानित किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। जागेगा देश, तो होगा विकास। प्रा वि न0 7 शामली मे

ड्राइंग कमीटिशन स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत छात्रा माही पुत्री रामकुमार कक्षा 4 को आज नगर शिक्षा अधिकारी श्री नरेन्द्र जी के कर कमलो द्वारा आज सम्मानित किया गया। इस प्रकार के कार्यक्रम को कराने से विद्यार्थियों में देश प्रेम, देश के प्रति निष्ठा, कर्तव्य की भावना का प्रसार तथा विकास के लिए को गति मिलती हैं सभी को देश के विकास में अग्रणी होने की भूमिका निभानी चाहिए तथा देश की अर्थव्यवस्था को विकास तथा समृद्धि की और ले जाने में योगदान देने मे पीछे नहीं रहना चाहिए।

Whether you eat jam or make chutney-pickle, Amla benefits health in every way in winter

If you are not getting time to take care of yourself in winter, then make Amla a part of your diet. This will give many benefits to your health. Vitamin C is found in abundance in Amla. Apart from this, Amla also has antioxidant properties. Which work to protect the body from many diseases in winter. Consumption of Amla is beneficial for the body. Amla rich in Vitamin C is beneficial for health. Include Amla in your diet in winter. Including Amla in your diet in winter is very beneficial for health. Actually, Vitamin C is found in abundance in Amla. Apart from this, Amla also has antioxidant properties. Which protect the body from many diseases.

Eating it in different ways during winter provides warmth to the body and also strengthens immunity. Whether it is amla murabba, juice, chutney and pickle, eating it provides benefits to our body. Today, in this article, we are going to tell you in which ways you can include amla in your diet. So that you too can stay away from diseases in winter. Amla ki sabzi- If you are bored of eating the same kind of food every day, then you should make amla ki sabzi. You can also eat it as a side dish with other vegetables. You can have roti or paratha with it, it will taste delicious with all. It will also be beneficial for your health. You can drink amla juice for years. Because it is very beneficial for health. Amla juice can be drunk every morning on an empty stomach. Drinking it also keeps digestion healthy. It also removes skin problems. Drinking amla juice also strengthens immunity. Apart from this, it also provides essential nutrition to your hair. Due to which hair becomes black, long and thick. Amla Murabba- If you like to eat sweets and you are not able to eat sweets, then you can eat Amla Murabba throughout the winter. Amla Murabba may be sweet but it is not harmful in any way. Children also eat it fondly. If you eat it on an empty stomach, then you will get more benefits. Amla Pickle/ChutneyMost people like to make Amla Chutney during winter days. Amla chutney is considered very beneficial for health. But if you want some tadka in the taste, then you can also make Amla Pickle. Which will not only be full of taste but will also benefit you.

6 diseases silently make men their victims, be careful in time

On the occasion of International Men's Day (International Men's Day 2024), celebrated every year on 19 November, today we are going to warn you about 6 such diseases (Common Diseases In Men) which silently make men their victims. In such a situation, by making some necessary changes in your lifestyle in time, you can save your health from trouble. International Men's Day is celebrated every year on 19 November. There can be many reasons behind the various diseases increasing in men. These diseases can be avoided by making changes in lifestyle. International Men's Day (International Men's Day 2024) is celebrated every year on 19 November. This day is to remember the health, well-being of men and their contribution to the society. In such a situation, today we are taking your attention to a serious issue which is - diseases spreading silently among men. Yes, due to bad lifestyle and unhealthy eating habits, today men are falling prey to many serious diseases (Diseases Affecting Men), which were once commonly associated with women. Let us know how the changing lifestyle, bad eating habits and increasing stress day by day have put men's health in serious danger. Rapidly increasing diseases in men - Heart disease: Heart attack and stroke are one of the most common causes of death in men. Let us tell you, unhealthy eating, smoking and lack of physical activity are the main reasons for this. Diabetes: Type 2 diabetes is increasing rapidly in men. Apart from family history, obesity and lack of physical activity are also one of the main reasons for this. Cancer: Prostate cancer is the most common cancer in men. Apart from this, lung cancer, colon cancer and liver cancer are also seriously affecting men today. Mental health problems: Depression, anxiety and other mental health problems are also becoming common in men. Work pressure, family problems and social expectations are the main reasons for this. Sexual health problems: Erectile dysfunction, premature ejaculation and other problems related to sexual health not only affect men's health but also their confidence. Apart from this, in some cases these problems also spoil marital relationships. Why are men more at risk? - Unhealthy eating habits: Consumption of junk food, alcohol and tobacco increases the risk of diseases like heart disease, obesity and cancer. Lack of physical activity: Lack of physical activity can be a major reason behind obesity, heart disease and diabetes. Stress: Work pressure, family problems and mental health problems also promote these diseases. Smoking: Smoking is also a major reason behind heart diseases, lung cancer and many other such diseases. Obesity: Obesity also plays a big role in increasing the risk of many diseases like heart disease, diabetes and cancer.

The pressure of raising a child can make parents victims of Parental Burnout, this is how to prevent it

Raising and raising a child is a very difficult task. In such a situation, parents often forget to take care of themselves and due to this they become victims of parental burnout. Parental burnout is a condition that has a negative effect on the mental and physical health of parents. Let's know what is parental burnout and how to avoid it (Parental Burnout Prevention).

Parents often cannot take care of themselves while taking care of their children. Parental burnout can be a serious problem for parents. To avoid this, it is important to adopt some tips. Being a parent is as pleasant as it is difficult. Always working for the happiness and safety of your child, taking care of them and many other responsibilities fall on the shoulders of the parents. In such a situation, many times parents can also become victims of burnout, which is called parental burnout. Here we will learn about this condition, what it is and how to deal with it (How to Overcome Parental Burnout). What is Parental Burnout? (What is Parenral Burnout) Parental burnout is a condition in which parents feel constant stress and exhaustion. In this condition, parents feel incapable of taking care of their children and do not feel emotionally attached to them. This is a condition that can have a profound effect on both the physical and mental health of parents. There can be many reasons for parental burnout, which include- Too much responsibility- Parents get very tired by taking responsibility for other household and work tasks along with taking care of children. Lack of sleep- Parents do not get enough sleep due to taking care of children, due to which they feel tired. Lack of social support- Parents feel lonely due to lack of support from family and friends. Increasing expectations- Having too many expectations from oneself and children makes parents stressed. Financial stress- Parents can also get stressed due to money problems. What are the symptoms of parental burnout? There are many symptoms of parental burnout, which can be seen like this- Fatigue and weakness- Feeling tired constantly and having difficulty in doing even small tasks. Irritability- Getting angry quickly at children and other family members. Loneliness- Feeling isolated from others. Indifference- Losing interest in everything. Physical problems- Headache, stomachache, insomnia, etc. Blaming yourself- Blaming yourself for not being able to take care of the children properly. How to avoid parental burnout? To avoid parental burnout, you can adopt these methods- Rest- Get full sleep and rest for some time during the day. Seek help- Seek help from family and friends. Take time for yourself- Take some time for yourself every day and do activities of your choice. Do yoga and meditate- Yoga and meditation reduce stress. Eat a healthy diet- Eating a healthy diet gives energy to the body. Exercise daily- Exercise reduces stress and helps in getting good sleep. Seek professional help- If you are very troubled by parental burnout, then seek help from a psychologist.

Richa Chadha's daughter's first video surfaced, your heart will melt seeing her little hands

Richa Chadha and Ali Fazal have recently welcomed their daughter. The couple named their daughter Junera Ida Fazal. Now Richa has shared Ida's first video on social media which is

very cute. The actress has also written something special for her husband Ali Fazal in the post. Fans are commenting heavily on the video. Richa Chadha showed the first glimpse of her daughter-shared the first video on social media Said this about Ali Fazal in the post Richa Chadha-Ali Fazal became parents on 16 July this year. The birth of their daughter filled the couple's life with happiness. 4 months after the birth of their daughter, both of them revealed the name of their little angel. Richa has recently shared a video of her daughter on social media in which she is playing with a toy lying in the cradle. Video going viral on social media-Richa Chadha shared the video and wrote, 'Stop scrolling to clean the timeline. My baby girl, a Frida doll, Emily music box and her toys. Best collab with Ali Fazal'. Fans are commenting fiercely on this video of Ida. One user commented on the actress' post, 'The whole world in a moment. Lots of love to all three of you'. While another wrote, 'The cutest video, may God bless your daughter'. In an interview, the couple had told the meaning of the daughter's name and said that Junera Ida means very special. Talking about parenthood, Ali Fazal had told that having a child fills a void, which we did not know about earlier. The actress had told in an interview to Vogue magazine that she lovingly calls her daughter 'Juni'. Let us tell you that 'Junera' is an Arabic name and it means 'flower of heaven'. Got married after dating for many years - Richa and Ali dated each other for many years before marriage. Both of them started dating from the year 2015. The couple took seven rounds in the presence of family and friends two years ago. Both got married on 4 October 2022 in Lucknow and made the pregnancy announcement this year (2024).

Famous singer Shekhar Ravjiani reveals about losing his voice, he started hating his own cracked voice

Famous singer Shekhar Ravjiani has revealed a big incident of 2 years ago. The singer has openly talked about his bad experience when he lost his voice. Not only this, he also started hating his cracked voice too much. Let's know what he did to fix his voice. Singer and musician Shekhar made a big disclosure, the singer lost his voice 2 years ago, the singer started hating

his cracked voice. India's popular musician Shekhar Ravjiani needs no introduction. His and Vishal Dadlani's pair have given many hit songs in Bollywood. The singer has surprised the fans a bit by sharing the latest post on Instagram. Actually, Shekhar has revealed one of the biggest incidents in his life. This is from 2 years ago, when he lost his voice. Finally, now he has given information about that time. The singer was afraid of this - Bollywood's famous singer and musician Shekhar wrote in his post, 'I have never talked about this before today. I lost my voice 2 years ago. My family was worried and I was also not feeling good seeing them sad. I felt that I would never be able to sing after this. However, I did not stop trying.'Telling the whole story of recovery, the singer wrote in the post, 'I had gone to San Diego, California. Where, I came to know about Dr. Erin Walsh. With his help, my voice was cured.' Due to Covid, he treated the singer on Zoom call. Shekhar Ravjiani further said, 'I remember that when I told him that I want to sing again, tears were not stopping from my eyes. I requested him to help. At first, he assured me that I had no fault in losing my voice. We had a long talk and he made me feel comfortable. Only after this did I feel that I can sing again.' Voice was restored in a few weeks- The singer wrote in the post that whenever I tried to sing, my voice sounded very cracked. Due to which I started hating my voice. But he tried his best to fix me. By repeating this process, my voice came back within a few weeks.

Popular actress of the 90s, got married at the peak of her career, refused offers from Hollywood

Today, there are so many actresses in the film industry who give more importance to their professional life than their personal life. Actresses even postpone their marriage to make a career. But earlier, there was an actress who got married at the peak of her career and distanced herself from films. Today she is quite active in films and is also working her acting magic. Famous actress of the 90s- got married at the peak of her career, said 'no' to offers from Hollywood. The actresses of the 90s were something else. At that time, the audience was impressed by the simplicity and beauty of the actresses. The films of that time were equally amazing. You must have also seen many blockbuster films of that era. Many stars of that decade are still very active in the industry and are giving excellent films. Today we are going to tell you about the professional and personal life of an actress of that era. The actress ruled her era with her looks and acting. She proved with her first film that she is going to be one of the best actors. This actress has worked with big stars like Salman Khan, Shah Rukh Khan, Aamir Khan, Sanjay Dutt, Anil Kapoor and Akshay Kumar. Name linked with many actors- The actress we are talking about is also known as 'Dhak-Dhak Girl' in the industry. Yes, we are talking about Madhuri Dixit. The actress started her film journey in the year 1984 with the film Abodh. The film Tezaab helped her gain recognition. After this, she showed her acting skills in hit films like 'Dil', 'Hum Aapke Hain Kaun', 'Dil To Pagal Hai', 'Devdas', 'Gulab Gang'. Her name was also linked with many actors like Sanjay Dutt, Jackie Shroff, Mithun Chakraborty at that time. Married at the peak of her career Amidst dating rumors, Madhuri married Dr. Shriram Nene in the year 1999. This move of hers at the peak of her career made a lot of headlines. After this, she shifted abroad with her husband Shriram Nene. After marriage, she distanced herself from films. She also has two sons from the marriage whose names are Arin and Ryan. The actress returned to India in the year 2011. She was getting offers from Hollywood. It is said that when she was living abroad with her husband after marriage, she was offered many Hollywood projects. But she said no to all the offers. The reason for saying no was her pregnancy and she did not want to work in these conditions. During this time, stars like Aishwarya Rai Bachchan, Irrfan Khan and Anil Kapoor were seen in many Hollywood films. These days she is seen in 'Bhool Bhulaiyaa 3' with Kartik Aryan and Vidya Balan.